A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 29 अक्टूबर, 2025
भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 23, अंक 59, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

ट्रंप के 50 फीसदी टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर खास असर नहीं

प्रह्लाद सबनानी

अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 50 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया गया है। ट्रम्प ने वैसे तो लगभग सभी देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों पर अलग-अलग दर से टैरिफ लगाया है, परंतु भारत द्वारा विशेष रूप से रूस से सस्ते दामों पर कच्चे तेल की खरीद के चलते भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया हुआ है। विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ को लगाए हुए अब कुछ समय व्यतीत हो चुका है एवं अब इसका असर विभिन्न देशों की अर्थवस्थाओं एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। लेकिन 27 अगस्त 2025 से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगभग नगण्य सा ही रहा है। माह सितम्बर 2025 में भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों का निर्यात लगभग 12 प्रतिशत कम होकर 550 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर नीचे आ गया है। परंतु, भारत का अन्य देशों को निर्यात लगभग 11 प्रतिशत से बढ़कर 3,638 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में किए गए निर्यात से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। सितम्बर 2025 माह में भारत से 24 देशों को निर्यात की मात्रा बढ़ गई है। इस प्रकार, भारत द्वारा अमेरिका को कम हो रहे निर्यात की भरपाई अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर कर ली गई है।

सितम्बर 2025 माह में न केवल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है अपितु भारत में अक्टूबर 2025 माह में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम, धनतेरस एवं दीपावली उत्सव के पावन पर्व पर, 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री भारत में हुई है, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इस कुल बिक्री में 87 प्रतिशत उत्पाद भारतीय ही रहे हैं। भारत में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री का रिकॉर्ड कायम हुआ है। भारत में लगातार बढ़ रहे उपभोक्ता खर्च के चलते वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में भी लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर है, जो अब लगभग 2 लाख करोड़ प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है।

भारतीय पूंजी बाजार भी सकारात्मक परिणाम देता दिखाई दे रहा है। सितम्बर 2025 के अंत में सेंसेक्स 80,267 के स्तर पर था जो 21 अक्टूबर 2025 को बढ़कर 84,426 के स्तर पर पहुंच गया। इसी प्रकार निफ्टी इंडेक्स भी सितम्बर 2025 के अंत में 24,611 के स्तर से बढ़कर 21 अक्टूबर 2025 को 25,868 के स्तर पर पहुंच गया। दीपावली के पावन पर्व पर रिकॉर्ड तोड़ व्यापार होने एवं पूंजी बाजार के अपने पिछले 52 सप्ताह के लगभग उच्चतम स्तर पर पहुंचने के पीछे मुख्य रूप से तीन कारक जिम्मेदार माने जा रहे हैं। (1) भारतीय उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों के प्रति विश्वास निर्मित हुआ है और वे अब भारत में निर्मित उत्पादों को चीन अथवा अन्य विकसित देशों में निर्मित उत्पादों की तुलना में गुणवत्ता के मामले में बेहतर मानने लगे हैं। (2) विभिन्न भारतीय कम्पनियों द्वारा हाल ही में सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही के घोषित परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। (3) साथ ही, अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में वापसी हुई है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के पश्चात भी भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर लगातार संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत में मुद्रा स्फीति की दर लगातार नीचे आ रही है एवं यह सितम्बर 2025 माह में 1.54 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है जो पिछले 8 वर्षों के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर है। जबकि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर अब बढ़ती हुई दिखाई दे रही है और अगस्त 2025 माह में यह 2.9 प्रतिशत के स्तर पर रही है।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा अपने वित्तीय घाटे को नियंत्रण में लाने एवं सरकारी ऋण को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न देशों से अमेरिका को होने निर्यात पर टैरिफ की घोषणा की थी। परंतु, भारी मात्रा में टैरिफ बढ़ाने के बावजूद अमेरिका का वित्तीय घाटा कम होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। इसी प्रकार, अमेरिका में सरकारी ऋण 37 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है और यह अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का 120 प्रतिशत है। अर्थात, अमेरिका में आय की तुलना में अधिक मात्रा में व्यय किए जा रहे है। आज अमेरिका में सरकारी ऋण पर ब्याज अदा करने के लिए भी ऋण लिया जा रहा है। दूसरी ओर, भारत में सरकारी ऋण की मात्रा केवल 3.80 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है और यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 80 प्रतिशत है, जो लगातार कम हो रहा है। अमेरिका में सकल बचत की दर 22 प्रतिशत है जबकि भारत में यह 32 प्रतिशत है।

भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है जबकि अमेरिका में यह वर्ष 2024 में केवल 2.8 प्रतिशत की रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर विश्व बैंक द्वारा अनुमानित है। जबकि अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों के अमेरिका को निर्यात टैरिफ लगाए जाने के बावजूद अमेरिका में वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के नीचे गिरकर 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। स्पष्टतः अमेरिका द्वारा टैरिफ लागू करने का भारतीय अर्थव्यवस्था पर तो कोई विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है।

अमेरिका में बैकों से लिए गए ऋण एवं क्रेडिट कार्ड पर ली गई उधारी की किश्तों के भुगतान में चूक की संख्या में वृद्धि दृष्टिगोचर है। इसके चलते हाल ही 3 वित्तीय संस्थानों को दिवालिया घोषित किया जा चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमत में अपार वृद्धि (लगभग 4300 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स के स्तर पर) दर्शाता है कि विभिन्न देशों का अब अमेरिकी डॉलर पर विश्वास कम हो रहा है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा के भंडार में स्वर्ण की मात्रा को लगातार बढ़ा रहे हैं।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

छठ पूजा के आखिरी दिन उगते सूरज को अर्घ्य

● दिल्ली से बिहार तक दिखी छठ की खूबसूरत छटा ● ऑस्ट्रेलिया-अमेरिका समेत दुनियाभर में भी हुई पूजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। छठ महापर्व का मंगलवार को आखिरी दिन था। 4 दिन का ये महापर्व 25 अक्टूबर को नहाय खाय से शुरू हुआ था। सोमवार को उगते सूरज को 'ऊषा अर्घ्य' के साथ खत्म हो गया। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास खत्म हो गया। उगते सूर्य को अर्घ्य देने का मुहूर्त सुबह 06.27 बजे तक था। देश के साथ विदेश में भी छठा महापर्व मनाया गया। बिहार, यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र (मुंबई) से इसकी तस्वीरें भी सामने आने लगी हैं। ठंड बढ़ने के बावजूद महिलाएं पानी में खड़ी नजर आ रही हैं। वहीं, दिल्ली में करीब 1300 घाटों पर छठ पूजा का आयोजन हुआ, जिनमें 17 प्रमुख घाट यमुना नदी के किनारे बनाए गए हैं। मुंबई और ठाणे में 83 स्थानों पर सामूहिक छठ पूजा का आयोजन हुआ। छठ महापर्व को लेकर विदेशों में भी उत्साह था। ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन समेत दुनियाभर के कई देशों में भी भारतीय व्रतियों ने सोमवार को सूर्य को अर्घ्य दिया था। फिजी, सूरीनाम, मॉरिशस, त्रिनिनाद-टोबेगो में भी बड़ी संख्या में भारतीय आबादी रहती है, यहां भी छठ पूजा का आयोजन किया गया। पासवान ने कहा,छठी मइया ने बिना मांगे मुझे इतना कुछ दिया है।

पीएम ने दी बधाई

लिखा- भव्य परंपरा के दिव्य दर्शन हुए

भगवान सूर्यदेव को प्रातःकालीन अर्घ्य के साथ आज महापर्व छठ का शुभ समापन हुआ। चार दिवसीय इस अनुष्ठान के दौरान छठ पूजा की हमारी भव्य परंपरा के दिव्य दर्शन हुए। समस्त व्रतियों और श्रद्धालुओं सहित पावन पर्व का हिस्सा बने अपने सभी परिवारजनों का हृदय से अभिनंदन! छठी मइया की असीम कृपा से आप सभी का जीवन सदैव आलोकित रहे।

सुप्रभात

या तो युद्ध छेड़ दो हमसे
या फिर आत्मसमर्पण कर दो
या तो सब कुछ अर्पण कर दो
या रिश्ते का तर्पण कर दो
या तो ये सिंदूरी सपने चूनर ओढ़ें मङ्गल गाएँ
या फिर सारी आकांक्षाएं मरघट
जाकर भस्म रमाएँ
या यादों की मुक्त तरंगें
यमुना के तट पर इठलाएँ
या भावों के पाश सदा को
गंगा के भीतर छिप जाएँ
चाहो तो अब राह मोड़ दो
या पथ का प्रत्यार्पण कर दो
या तो सब कुछ अर्पण कर दो
या रिश्ते का तर्पण कर दो
या तो पहनाकर जयमाला
जीवन पर अधिकार जताओ
या फिर इस आधेपन को तुम
अंतिम श्वेतवस्त्र पहनाओ
या तो अधिकारों की कोई
सुंदर सुघड़ मुद्रिका लाओ
या फिर प्यासे संबंधों की शेष
सभी अस्थियाँ बहाओ
या तो अंतर दे दो हमको
या फिर आँखे दर्पण कर दो
या तो सब कुछ अर्पण कर दो
या रिश्ते का तर्पण कर दो।

- श्रद्धा शौर्य

बसों से यात्रा अब बन रही 'मौत' का सफर

● अब जयपुर में हादसा, हाईटेंशन लाइन से बस में आग
● सिलेंडर में ब्लास्ट, 2 की मौत, 10 से ज्यादा झुलसे
● आंध्र, यूपी और एमपी के बाद राजस्थान में बस हादसा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में मंगलवार को एक बस हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। बस में करंट आ गया, जिसके बाद आग लग गई। हादसे में उत्तर प्रदेश के रहने वाले 2 लोगों की मौत हो गई, 10 मजदूर झुलस गए। बस के ऊपर सिलेंडर भी थे, जिनमें से एक में विस्फोट हुआ है। मामला जयपुर शहर से 50 किलोमीटर दूर मनोहरपुर इलाके का है। जयपुर कलेक्टर जितेंद्र सोनी ने बताया कि 65 मजदूरों को टोडी स्थित ईंट भट्टे पर लाया जा रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया। देश में बीते 14 दिनों में बस में आग की यह 5वीं घटना है। इससे पहले 14 अक्टूबर को जैसलमेर में बस में आग लगी थी। इसके बाद 24, 25 और 26 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश, यूपी और एमपी में भी ऐसे ही हादसे हुए।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रि परिषद की बैठक

सरकारी आवास न छोड़ने वालों पर अब होगी सख्ती

● निजी भूमि स्वामियों की जमीन पर बिजली लाइन डालने पर राहत और बढ़ी

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में बिजली कंपनियों द्वारा बिछाई जाने वाली हाईटेंशन लाइन में आने वाली निजी जमीन के मालिकों को सरकार बदले में और राशि देगी। इसको लेकर आज मोहन कैबिनेट फैसला लिया गया है। इसके साथ ही राजधानी में सरकारी आवास आवंटित होने और तबादले के बाद भी आवास रिक्त न करने के मामले में मोहन कैबिनेट में कड़ा फैसला लिया। इसके लिए दस गुना किराए के अलावा तीस प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क वसूली की जाएगी।

राजधानी में अलग-अलग विभागों में पदस्थ अधिकारियों द्वारा शासकीय आवास आवंटित होने के बाद दूसरे जिलों में स्थानांतरण के बाद भी आवंटित आवास रिक्त नहीं किए जा रहे हैं। ऐसे में यहां पदस्थ होने वाले नए अफसरों को आवास आवंटन में दिक्कत होती है। इसे देखते हुए मोहन कैबिनेट ने इन आवासों की किराया राशि को लेकर बड़ा फैसला लिया है।

दरअसल अभी पदस्थापना से हटने के बाद दस गुना किराया देने का प्रावधान है जो सरकारी आवासों के किराए के हिसाब से काफी कम होता है। इसलिए अधिकारी दस गुना किराया दे देते हैं लेकिन आवास खाली नहीं करते। इस पर रोक के लिए आए प्रस्ताव आज कैबिनेट ने निर्णय लिया।

मोहन कैबिनेट में इन मुद्दों पर होगा फैसला

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान के अंतर्गत प्रदेश में जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चिन्हित पीवीटीजी समूहों के विद्युतीकरण के लिए विद्युत वितरण कंपनियों की दूसरे चरण की अतिरिक्त कार्ययोजना को दी गयी मंजूरी। बकस्वाहा जिला छतरपुर में व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड का एक नया पद उनके लिए अपेक्षित अमले सहित सृजन करने को मंजूरी। प्रदेश में हाईटेंशन वितरण लाइन बिछाने के कारण निजी भूमि-स्वामियों को दी जाने वाली प्रतिपूर्ति राशि निर्धारण में बढोतरी को मिली मंजूरी।

मुख्यमंत्री ने पुलिस लाइन उज्जैन में पुलिस वेलफेयर सोसाइटी के नवनिर्मित पेट्रोल पंप का लोकार्पण किया।

आंधी-तूफान में भी फहराएगा अयोध्या राम मंदिर का ध्वज

● 360 डिग्री घूमेगा, प्रधानमंत्री मोदी 25 नवंबर को फहराएंगे ● श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट ने 10 हजार मेहमान बुलाए, 3000 रूम बुक

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में भगवान राम का मंदिर तय समय में बनकर तैयार हो चुका है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने के 1 साल 9 महीने के बाद अयोध्या में एक बार फिर बड़ा आयोजन होगा। पीएम नरेंद्र मोदी यहां 25 नवंबर को धर्मध्वजा फहराएंगे। केसरिया रंग की खास ध्वजा पर सूर्य और कोविदार (अयोध्या का शाही वृक्ष, जो कचनार के नाम से जाना जाता है) के प्रतीक बने हुए हैं। राम मंदिर के 161 फुट ऊंचे शिखर पर 42 फुट ऊंचा स्तंभ स्थापित किया गया है। इसी स्तंभ पर 22 फुट लंबी और 11 फुट चौड़ी पताका फराएगी। यह ध्वज 60 किमी/घंटा रफ्तार की तेज हवाओं को झेल सकेगा। आंधी-तूफान में उसे कोई नुकसान नहीं होगा। 360 डिग्री पर घूम भी सकेगा। प्रधानमंत्री राम मंदिर के साथ-साथ 8 और मंदिरों के शिखरों पर ध्वजारोहण करेंगे। ध्वजारोहण के बाद श्रद्धालुओं के लिए 70 एकड़ परिसर में बने इन मंदिरों के दर्शन भी शुरू हो जाएंगे। यह आयोजन राम मंदिर के पूर्ण होने का प्रतीक है। 21 नवंबर से आयोजन शुरू होंगे। मुख्य आयोजन 25 नवंबर को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 12.30 तक चलेगा। इस दौरान लोग रामलला के दर्शन नहीं कर सकेंगे।

उत्तराखंड का रजत जयंती महोत्सव होगा बेहद खास

● शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तो समापन करेंगे पीएम मोदी

राज्य के इतिहास में दूसरी बार राष्ट्रपति विशेष सत्र को करेंगी संबोधित

देहरादून (एजेंसी)। देवभूमि उत्तराखंड इस बार अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहा है। यह पहला अवसर है जब राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती समारोह में देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों शामिल होने जा रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन दिवसीय दौरे पर तीन नवंबर को उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करेंगी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 नवंबर को एफआरआई देहरादून में आयोजित समापन समारोह में भाग लेंगे। रजत जयंती उत्सव के इन आयोजनों से राज्य का गौरव बढ़ गया है और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार इसे ऐतिहासिक बनाने में जुटी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो नवंबर को हरिद्वार पहुंचेंगी।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 30°c न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 29 अक्टूबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

आरएसएस पर बैन कर्नाटक सरकार को पड़ गया भारी

● हाईकोर्ट ने दिया झटका,पूछा-किसने दे दिया अधिकार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार को हाईकोर्ट से तगड़ा झटका

लगा है। कोर्ट ने सरकार के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर 10 से अधिक लोगों के एकत्रित होने के लिए पहले से अनुमति लेना अनिवार्य किया गया था। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने बीते 18 अक्टूबर को एक आदेश जारी किया था। इस आदेश में निजी संगठन, संघ या व्यक्तियों के समूहों को संस्था से जुड़ी गतिविधियों के लिए सरकारी संपत्ति या परिसर का उपयोग करने से पहले अनुमति लेना अनिवार्य किया गया था। हालांकि इस आदेश में संघ का नाम साफ तौर से नहीं लिखा गया था,लेकिन ऐसा कहा जा रहा था कि आदेश के प्रावधानों का उद्देश्य संघ है।

बहुआयामी होगा प्रदेश का 70वां स्थापना दिवस समारोह

पहली बार मैपकॉस्ट विशेष भूमिका में, ड्रोन-शो होगा अब तक का विशाल विजुअल सेलेब्रेशन

भोपाल (नप्र)। प्रदेश का 70वां स्थापना दिवस समारोह बहुआयामी होगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम भव्य और दिव्य रूप में मनाया जाएगा। आगामी एक से तीन नवम्बर तक भोपाल स्थित लाल परेड ग्राउंड में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस दौरान बहुरंगी शिल्प मेला, सुगम संगीत, नाटक, जनजातीय लोक नृत्य, ड्रोन शो आदि होंगे। समारोह में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकॉस्ट) पहलीबार तकनीकी मार्गदर्शन देकर विशेष भूमिका में सामने आ रहा है। भोपाल के आकाश पर सबसे विशाल विजुअल सेलेब्रेशन पहलीबार दिखाई देगा। मध्यप्रदेश की आध्यात्मिक विरासत, स्थापत्य कला, पर्यटन महत्व और जनजातीय सभ्यता को इस ड्रोन-शो में देखा जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्थापना दिवस समारोह के स्वरूप पर इस माह चार बार बैठकों में समीक्षा की है। गहन मंथन और चिंतन के बाद समारोह को मनोरंजन के साथ सार्थक संदेश देने का आयोजन बनाने के उद्देश्य से रचना की गई है। समारोह की थीम 'उद्योग और रोज़गार वर्ष 2025' के अनुरूप प्रदेश में हुए नवाचारों और विकास के विशेष प्रयासों पर केन्द्रित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर स्थापना दिवस समारोह की गतिविधियों में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों के हितग्राहियों को भी शामिल किया गया है। जिलों में हो रहे कार्यक्रम भी उद्योग और रोज़गार की थीम के अनुरूप होंगे। प्रमुख उद्योगपतियों और प्रदेश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाले व्यक्तियों और समूहों की उपलब्धियों को भी शामिल किया जा रहा है। प्रदेश के सभी अंचलों में समान रूप से गतिविधियां होंगी। जिलों की प्रगति और उपलब्धियों को जिला स्तर पर प्रदर्शित किया जाएगा। स्व-सहायता समूह और आईटीआई, पॉलिटेक्निक सहित अन्य संस्थाओं द्वारा युवाओं, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयासों, कृषक संगठनों द्वारा किसान कल्याण के लिए संचालित गतिविधियों के प्रदर्शन भी समारोह का हिस्सा होंगे।

विरासत से विकास प्रदर्शनी- स्थापना दिवस पर जननायकों के जीवन और अवदान पर भोपाल और जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। साथ ही 'एक जिला-एक उत्पाद', सम्राट विक्रमादित्य और अयोध्या के सील और सिक्के, मंदिर स्थापत्य तथा भारतीय ऋषि परम्परा पर प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाएगा।

पार्श्व गायक श्री जुबिन नौटियाल एक नवम्बर को देंगे प्रस्तुति

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के कार्यक्रम अभ्युदय मध्यप्रदेश के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में एक नवम्बर को भोपाल में प्रसिद्ध पार्श्व गायक श्री जुबिन नौटियाल प्रस्तुति देंगे। लाल परेड ग्राउंड में होने वाले इस कार्यक्रम में श्रीकृष्ण के भक्ति पदों की प्रस्तुति के साथ ही विरासत से विकास की थीम पर ड्रोन-शो होगा। साथ ही आतिशबाजी भी होगी। दो और तीन नवंबर को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में महानाट्य-सम्राट विक्रमादित्य की प्रस्तुति होगी। दो एवं तीन नवम्बर को सुगम संगीत की प्रस्तुतियां भी होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए हुए नवाचारों, विकास के विशेष प्रयासों और जनकल्याणकारी गतिविधियों के प्रस्तुतिकरण के निर्देश दिए हैं।

एमपी में सभी सरकारी नौकरी के लिए एक ही एग्जाम

सीएम यादव बोले- यूपीएससी की तर्ज पर परीक्षा कराएंगे, कर्मचारी आयोग भी बनेगा

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में सभी सरकारी भर्तियों के लिए एक ही एग्जाम कराया जाएगा। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा- प्रदेश में रोजगार के लिए अलग-अलग परीक्षाएं होती हैं। इनमें समय लगता है, जिससे रोजगार मिलने में देरी होती है। हमने तय किया है कि यूपीएससी की तर्ज पर एक ही एग्जाम कराएंगे। सीएम राज्य कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित दिवाली मिलन समारोह में शामिल होने गए थे।

सीएम यादव कहा- पुलिस की भर्ती के लिए रिक्त 20 हजार से अधिक पदों को भरने का काम तीन साल में करना है। विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगति, ग्रेड पे में परिवर्तन दूर करने के लिए सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी की अध्यक्षता में कर्मचारी आयोग का गठन किया जाएगा। कर्मचारी अधिकारियों की वेतन विसंगति दूर करने का काम इसके माध्यम से किया जाएगा।

सीएम बोले- अधिकारी-कर्मचारियों का प्रमोशन होना चाहिए- मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी का प्रमोशन होना चाहिए। प्रयास किया और किनारे तक पहुंचे हैं। भगवान महाकाल की लीला है और थोड़ा सा अटका है, लेकिन जल्दी ही रास्ता निकलेगा।

सीएम ने महंगाई भत्ते पर कहा- केंद्र के समान भत्ता देने

का काम कर रहे हैं। पांच समान किस्तों से अक्टूबर तक एरियर्स देने का काम किया है। अधिकारियों के आवास की व्यवस्था तेजी से सरकार कर रही है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका को जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ देने का काम किया है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के 19504 नए पदों को भरने का काम भी सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि एक जनवरी 2005 या उसके बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए यूपीएस देने कमेटी गठित की गई है। चीन की यात्रा से आए हैं और चीन से हमारे देश के लोगों को संबंध जोड़ना खटकता है।

कर्मचारियों को रुका हुआ हाउस रेंट अलाउंस दिया- सीएम ने कहा कि कर्मचारियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। कर्मचारियों के चेहरे की खुशी हमारी ताकत है। सरकारी की योजनाओं को जमीन तक उतारने का काम कर्मचारी ही करते हैं और कर्मचारी हितों के लिए सरकार तैयार है। राज्य कर्मचारी संघ ने कर्मचारियों के लिए भाव का प्रकटीकरण अच्छे से किया है। सेवा में विलंब रोकना होगा, जनता के अधिकारों का ध्यान रखना होगा। नौ साल से हाउस रेंट अलाउंस लंबित था जिसे हमारी सरकार ने देने का काम किया है।

कर्मचारियों ने सौंपा मांग पत्र

राज्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह की ओर से सीएम को कर्मचारियों की मांगों का पत्र सौंपा गया। इसमें कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाने, कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति सीमा एक समान करने का मुद्दा शामिल था। राजधानी के सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों की नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता तय करने की भी मांग रखी गई।

● 8वें वेतन आयोग को सरकार की मंजूरी

अठारह महीने में देगा सिफारिश केन्द्रीय कर्मचारियों को फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी है। तीन

सदस्यीय आयोग 18 महीने में अपनी सिफारिशें देगा। इससे करीब 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनर्स को फायदा मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सरकार ने जनवरी में 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी थी लेकिन अब जाकर इसका गठन कर दिया गया है। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस को मंजूरी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज रंजना प्रकाश देसाई चेयरपर्सन होंगी। साथ ही आईआईएम बैंगलोर के प्रोफेसर पुलक घोष पार्ट टाइम मेंबर होंगे। पंकज जैन इसके मेंबर सचिव होंगे।

वह अभी पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस में सचिव हैं। यह 8वां केंद्रीय वेतन आयोग एक अस्थायी संस्था होगी। इसे गठित होने की तारीख से 18 महीने के अंदर अपनी सिफारिशें देनी होंगी।

बांग्लादेश को कराची पोर्ट के इस्तेमाल का ऑफर

● 20 साल बाद पाकिस्तान के साथ आर्थिक मुद्दों पर बातचीत ● भारत ने बांग्लादेश की ट्रांजिट सुविधा रोकी थी,पाक ने खोली

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को अपने कराची पोर्ट का इस्तेमाल करने की पेशकश की है। यह प्रस्ताव दोनों देशों के बीच सोमवार को ढाका में हुई पाकिस्तान-बांग्लादेश संयुक्त आर्थिक आयोग की 9वीं बैठक में रखा गया। यह बैठक करीब 20 साल बाद हुई थी।

पाकिस्तान का कहना है कि कराची पोर्ट का उपयोग बांग्लादेश को चीन, खाड़ी देशों और मध्य एशिया के बाजारों तक आसान पहुंच दिला सकता है। भारत सरकार ने 8 अप्रैल, 2025 को एक सर्कुलर जारी करके बांग्लादेश को तीसरे देश-निर्यात के लिए भारत की जमीन से सामान गुजारने (ट्रांस-शिपमेंट) की सुविधा समाप्त कर दी थी। इस फैसले के तहत, बांग्लादेशी माल अब भारत के लैंड कस्टम स्टेशनों से होकर, भारत के किसी बंदरगाह या हवाई अड्डे से तीसरे देश को नहीं जा सकता था। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

अब भारत में भी बनेंगे सिविल एयर क्राफ्ट एसजे-100

● रूसी सरकारी कंपनी और एचएएल के बीच हुआ समझौता ● उड़ान स्कीम के लिए गेमचेंजर साबित हो सकता है विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के एसजे-100 सिविल कम्यूटर एयरक्राफ्ट अब भारत में भी बनेंगे। इसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने रूस की यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन के साथ एक एमओयू साइन किया है। ये छोटे शहरों को हवाई कनेक्टिविटी देने में गेमचेंजर साबित हो सकता है। ये एमओयू 28 अक्टूबर को मॉस्को में साइन हुआ है। एचएएल के प्रभात रंजन और रूसी कंपनी के ओलेग बोगोमोलोव ने इसे साइन किया। एचएएल के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर डीके सुनील और रूसी कंपनी के डायरेक्टर जनरल वादिम बदेका की मौजूदगी में ये हुआ।

आखिरी बार भारत में पूरा पैसेंजर एयरक्राफ्ट बनाने का प्रोजेक्ट 1961 से 1988 तक चला था। एचएएल के इस प्रोजेक्ट का नाम ओवेरो एचएस 748 था। उसके बाद हम विमानों का इंपोर्ट करने लगे। अब रूस के साथ ये टाईअप भारत की इंपोर्ट पर निर्भरता को कम कर सकता है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड का कहना है कि उसके और रूसी कंपनी के बीच यह समझौता दोनों संगठनों के आपसी भरोसे का नतीजा है। यह पहला मौका भी होने जा रहा है, जब भारत में एक पूर्ण यात्री बनाया जाएगा।

'आत्मनिर्भर भारत' के लिए बड़ा कदम

एचएएल की ओर से कहा गया है कि एसजे-100 एयरक्राफ्ट का निर्माण भारतीय एविएशन इंडस्ट्री के इतिहास में एक नए अध्याय का आरंभ है। यह नागरिक उड्डयन क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में बहुत बड़ा कदम है। इससे निजी क्षेत्र भी मजबूत होंगे और इस क्षेत्र में सीधे और परोक्ष रोजगार भी पैदा होंगे। एचएएल का कहना है, एसजे-100 का भारत में बनना उड़ान स्कीम के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। ये प्लेन फ्यूल एफिशिएंट है और लोकल प्रोडक्शन से कॉस्ट कम होगी। उड़ान यानी उड़े देश का आम नागरिक स्कीम के तहत छोटे शहरों जैसे गोरखपुर, देवघर या पोर्ट ब्लेयर को कनेक्ट किया जा रहा है। अभी फाइनेंशियल डिटेल्स सामने नहीं आई है, लेकिन अनुमान है कि एसजे-100 की प्रोडक्शन कॉस्ट 20-25 मिलियन डॉलर प्रति यूनिट होगी। रूस एचएएल को डिजाइन, इंजन, और असेंबली के लिए सपोर्ट देगा।

आंध्र की नई राजधानी कायम करेगी मिसाल

परंपरा,आधुनिकता और हरियाली का बनेगी संगम

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश की नई राजधानी अमरावती को भारत की सबसे आधुनिक, हरित और 'जनता की राजधानी' के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य सुशासन, पारदर्शिता और सतत विकास को एक साथ दिखाने वाला शहर बनाना है। इसी क्रम में राजधानी में तीन अनोखी इमारतों का निर्माण किया जा रहा है जो कि बेहद खास और भारत की पहली ऐसी इमारत होगी। ये इमारतें विधानसभा, हाईकोर्ट और प्रशासनिक टॉवर हैं। इन तीनों इमारतों की अपनी-अपनी खासियत है अमरावती का प्रशासनिक परिसर नई राजधानी के प्रशासनिक परिसर की खासियत यह है कि यहां 5 टावरों वाला सचिवालय क्षेत्र बनाया जा रहा है, जिनमें विभागीय भवन 50 मंजिल तक ऊंचे होंगे। एपीसीआरडीए के आयुक्त के.

कन्ना बाबू ने बताया कि यह भारत की सबसे आधुनिक, हरित और पारदर्शी राजधानी होगी, जहां नागरिक शासन के साझेदार बनेंगे। उनका कहना है कि लक्ष्य इसे देश की अन्य राजधानियों के लिए एक मॉडल सिटी बनाना है।

मेरठ में अब 600 भवनों पर चलेगा बुलडोजर!

● माधवपुरम, जागृति विहार और शास्त्री नगर पर संकट, आर-पार के मूड में व्यापारी

मेरठ (एजेंसी)। शहर की सेंट्रल मार्केट स्थित भवन संख्या 661/6 के ध्वस्तीकरण के बाद से मेरठ के व्यापारी खौफ में हैं। अवैध निर्माणों पर सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बाद अब आवास एवं विकास परिषद ने पूरे शहर में एक बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। सोमवार को इस कार्रवाई की आंच माधवपुरम, जागृति विहार और सेंट्रल मार्केट के अन्य हिस्सों तक पहुंची।

परिषद ने 150 से अधिक आवंटियों को नोटिस जारी करते हुए 15 दिन में व्यावसायिक गतिविधियां बंद करने का आदेश दिया है। तय समय में कार्रवाई न होने पर सीलिंग और ध्वस्तीकरण की चेतावनी दी गई है। वहीं, व्यापारियों ने भी अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। सेंट्रल मार्केट में जैना ज्वेलर्स का शोरूम 22 सितंबर को शुरू हुआ था।

शास्त्रीनगर में 1468 अवैध निर्माण चिन्हित

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर आवास विकास परिषद ने सर्वे में शास्त्रीनगर योजना के 1468 अवैध निर्माणों को चिन्हित किया है। यहां आवासीय घरों को व्यावसायिक केंद्रों में बदला गया है। कई स्थानों पर शोरूम, रेस्टोरेंट, अस्पताल, बैंक, होटल, सैलून और मर्चेंट स्टोर संचालित हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने 17 दिसंबर 2024 को भवन संख्या 661/6 के मामले की सुनवाई के दौरान साफ आदेश दिए थे कि सभी अवैध निर्माणों को चरणबद्ध तरीके से ध्वस्त किया जाए। इसी आदेश के बाद अब कार्रवाई की गाज गिरने की आशंका है।

● **जागृति विहार और माधवपुरम में 822 अवैध निर्माण-** आवास विकास परिषद की रिपोर्ट के अनुसार, माधवपुरम में कुल 5963 आवासीय संपत्तियों में से 327 भवनों में नियम विरुद्ध व्यावसायिक काम हो रहा है। जागृति विहार की करीब साढ़े पांच हजार आवासीय संपत्तियों में से 495 भवनों में अवैध रूप से व्यावसायिक गतिविधियां चल रही हैं। शास्त्रीनगर के ए से एल ब्लॉक तक 6106 आवासीय भवनों में से 613 ने घरों को दुकानों और आउटलेट्स में तब्दील कर लिया है। सुप्रीटेंडिंग इंजीनियर राजीव कुमार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुपालन में लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि 661/6 का ध्वस्तीकरण शुरू होगा।

बस एक हां का इंतजार...

रिफाइनरी कंपनियों ने रोका रूसी तेल का ऑर्डर

● बैन के बाद लिया ऐक्शन,ऑर्डर भी कर दिए कैंसिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच पश्चिमी देशों ने रूसी तेल पर बैन लगा दिया है। इन बैन का असर अब भारतीय रिफाइनरियों पर भी दिखने लगा है। सूत्रों के मुताबिक प्रतिबंधों के लागू होने के बाद से भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल की खरीद के लिए कोई नया ऑर्डर नहीं दिया है। वे सरकार और तेल सप्लायर्स की ओर से स्पष्ट दिशा-निर्देशों का इंतजार कर रही हैं। कुछ रिफाइनरियां अपनी कच्चे तेल की जरूरतें पूरी करने के लिए खुले बाजार (स्पॉट मार्केट) का रुख कर रही हैं। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल ने तेल खरीदने के लिए एक टेंडर जारी

किया है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज ने खुले बाजार से तेल की खरीद बढ़ा दी है। यूरोपियन यूनियन (ईयू), यूके और यूएस ने रूस के यूक्रेन पर हमले के जवाब में उस पर कई तरह के बैन लगाए हैं। इनमें हाल ही में गुरुवार को अमेरिका द्वारा रूस के दो बड़े तेल उत्पादकों लुकोइल और रोसनेफ्ट पर लगाए गए नए बैन भी शामिल हैं।

एमपी ट्रायथलॉन अकादमी के चार खिलाड़ियों का चयन

एशिया चैंपियनशिप में करेंगे अगुवाई

भोपाल (नप्र)। एमपी राज्य ट्रायथलॉन अकादमी भोपाल के चार खिलाड़ी आद्यया सिंह, दुर्विसा पवार, रोशन गोंड और अभिषेक मॉडनवाल का चयन एशिया ट्रायथलॉन जूनियर एवं अंडर-23 चैंपियनशिप के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2025 तक अकाबा (जॉर्डन) में आयोजित की जाएगी।। यह

चैंपियनशिप एशिया की प्रतिष्ठित स्पर्धाओं में से एक मानी जाती है, जिसमें महाद्वीप के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भाग लेते हैं। प्रतियोगिता युवा ट्रायथलीट्स के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित करने और भविष्य की ओलंपिक तैयारियों का अहम अवसर होगी। एमपी अकादमी के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय चयन शिविर में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह स्थान हासिल किया है।

जताई पदक की उम्मीद

खेल और युवा कल्याण विभाग के संचालक राकेश गुप्ता और संयुक्त संचालक बीएस यादव ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा हमारे खिलाड़ी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि यह टीम देश और प्रदेश दोनों के लिए गौरव लेकर लौटेगी। मुख्य कोच कैप्टन मनोज कुमार झा ने बताया कि खिलाड़ी पूरी तैयारी के साथ जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिससे खिलाड़ियों का प्रदर्शन और निखरा है।

क्या है ट्रायथलॉन- ट्रायथलॉन एक बहु-खेल धीरज प्रतियोगिता है जिसमें तीन क्रमिक खेल शामिल हैं, इसमें तैराकी, साइकिलिंग और दौड़ना शामिल है। एथलीट इन तीनों स्पर्धाओं को लगातार करते हैं और जो सबसे पहले फिनिश लाइन तक पहुंचता है, वह विजेता होता है।

सीईओ ने राजनीतिक दलों को बताई एसआईआर की डिटेल

प्रदेश के सभी 65 हजार बूथों के मतदाताओं का स्पेशल परीक्षण शुरू

भोपाल (नप्र)। प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों के हर बूथ की वोटर लिस्ट की गहनता से जांच होगी। हर वोटर को फिर से वेरिफाई किया जाएगा। इसके लिए बूथ लेवल ऑफिस(बीएलओ), घर-घर जाकर फॉर्म बांटेंगे। इसकी जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने आज सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी है। साथ ही कहा है कि वे इसके लिए दावे आपत्ति भी दे सकते हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव झा ने चुनाव आयोग के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि अब बूथ लेवल ऑफिस (बीएलओ), घर-घर जाकर फॉर्म बांटेंगे। बीएलओ एक घर तीन बार जाएंगे। कलेक्टर, एसडीएम, एडीएम, तहसीलदार, बीएलओ सहित वोटर लिस्ट के अपडेशन से जुड़े अफसर कर्मचारियों की ट्रेनिंग कराई जा चुकी है। अब हर बूथ की वोटर लिस्ट की जांच होगी। संदिग्ध लोगों से दस्तावेज मांगे जाएंगे। एसआईआर में कई जगह बड़ी संख्या में लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटेंगे।

ग्वालियर-रतलाम में

रुक-रुककर बारिश, उज्जैन में खेत डूबे

भिंड में 1200 ट्रॉली धान भीगा, भोपाल-इंदौर में छाए बादल

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश से मानसून की आधिकारिक विदाई हो चुकी है, लेकिन बारिश का दौर जारी है। ग्वालियर में पिछले 24 घंटे से रुक-रुककर पानी गिर रहा है। मंगलवार सुबह तक दो इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। रतलाम में भी सुबह पानी गिरा। मुरैना में दोपहर डेढ़ बजे के बाद रिमझिम बारिश हुई। डिंडोरी में बेमौसम बारिश से खेतों में धान की पकी फसल खराब हो गई है। यहां मसूर और चने के खेतों में पानी भर गया है। उज्जैन के बड़नगर में तेज बारिश से खेतों में पानी भर गया। भोपाल-इंदौर में बादल छाए हैं। प्रदेश के आधे हिस्से में पिछले 24 घंटे के दौरान बारिश, आंधी और गरज चमक का दौर रहा। रतलाम में 3 इंच से ज्यादा पानी गिर गया। ग्वालियर में करीब पौने 3 इंच, शिवपुरी में डेढ़ इंच से अधिक, दतिया में सवा इंच से ज्यादा, टीकमगढ़ में आधा इंच से ज्यादा और श्योपुर में आधा इंच बारिश हुई। भोपाल, धार, गुना, इंदौर, उज्जैन, छतरपुर के खजुराहो और नौगांव, मंडला, रीवा, सतना, उमरिया, विदिशा, शाजापुर, आगर मालवा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, देवास समेत कई जिलों में हल्की बारिश का दौर बना रहा।

अगले 4 दिन बारिश-आंधी का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, अरब सागर में डिप्रेशन (अवदाब) सिस्टम बना है। इससे एक ट्रफ भी जुड़ी है, जो मध्य प्रदेश के बीचोंबीच तक आ रही है। दूसरा साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात)

सिस्टम अरब सागर में बना है, जो एमपी की ओर बढ़ रहा है। इस वजह से मध्य प्रदेश में अगले 4 दिन तक बारिश, आंधी और गरज-चमक के आसार हैं। 29-30 अक्टूबर को 18 जिलों में तेज और भारी बारिश का अलर्ट है।

मंडी में भीगा धान, किसानों का हंगामा- भिंड जिले की गोहद कृषि उपज मंडी में सोमवार को 1200 से अधिक ट्रॉलियों में भरा धान बारिश से भीग गया। व्यापारियों ने बताया कि बाहरी राज्यों से आए खरीदारों ने बारिश की वजह से माल उठाने से इनकार कर दिया, जिसके चलते खरीद-फरोख्त रोकनी पड़ी। वहीं, किसानों ने मंडी प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बारिश की चेतावनी पहले से थी, फिर भी मंडी परिसर में धान ढकने या सुरक्षित रखने की कोई व्यवस्था नहीं की गई। उन्होंने प्रशासन से फसल का मूल्यांकन कर मुआवजे की मांग की है।

6 नवंबर के बाद बढ़ेगी ठंड- सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- अगले 24 घंटे के दौरान भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के सभी जिलों में आंधी, बारिश और गरज-चमक का यलो अलर्ट है। 29 अक्टूबर को उत्तरी व पूर्वी हिस्से के कुछ जिलों में तेज बारिश हो सकती है। 30 अक्टूबर को पूर्वी हिस्से में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

उन्होंने कहा- एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिम विक्षोभ) देश के उत्तरी हिस्से में एक्टिव है। इसके लौटने पर बर्फबारी हो सकती है। ऐसे में 6 नवंबर के बाद से एमपी में भी ठंड का असर बढ़ जाएगा।

6 नवंबर के बाद बढ़ेगी ठंड

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- अगले 24 घंटे के दौरान भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के सभी जिलों में आंधी, बारिश और गरज-चमक का यलो अलर्ट है। 29 अक्टूबर को उत्तरी व पूर्वी हिस्से के कुछ जिलों में तेज बारिश हो सकती है। 30 अक्टूबर को पूर्वी हिस्से में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने कहा- एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिम विक्षोभ) देश के उत्तरी हिस्से में एक्टिव है। इसके लौटने पर बर्फबारी हो सकती है। ऐसे में 6 नवंबर के बाद से एमपी में भी ठंड का असर बढ़ जाएगा।

नवंबर-जनवरी में पड़ेगी कड़ाके की सर्दी

मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश में नवंबर से कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो जाता है, जो जनवरी तक रहता है। लेकिन इस बार फरवरी तक ठंड का असर रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले सर्दियों के मौसम में 2010 के बाद सबसे भीषण ठंड का एहसास हो सकता है।

राष्ट्रीय एकता दिवस परेड-2025

गांधीनगर एवं केवड़िया में मप्र पुलिस की भागीदारी

भोपाल (नप्र)। गुजरात राज्य के गांधीनगर एवं केवड़िया में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस परेड-2025 में मध्यप्रदेश पुलिस के कुल 334 जवान भाग लेंगे। यह दल अदम्य उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति की भावना के साथ राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा। मध्यप्रदेश पुलिस का कॉन्टिजेंट गांधीनगर तथा केवड़िया में रहकर प्रशिक्षण, रिहर्सल और परेड अभ्यास में संलग्न है। जवानों ने प्रतिकूल परिस्थितियाँ एवं गहन अभ्यास कार्यक्रमों के बावजूद अथक परिश्रम और एकजुटता के साथ अपने प्रदर्शन की तैयारी की है। दल गुजरात पहुंच गया है।

31 अक्टूबर 2025 को आयोजित एकता दिवस परेड के दौरान मध्यप्रदेश पुलिस के कॉन्टिजेंट अपनी अनुशासित चाल, सटीक कमांड तथा उत्कृष्ट तालमेल से सभी को प्रभावित करेगा। परेड दल का नेतृत्व परेड

कमाण्डर उपुअ श्रीमती अन्नपूर्णा सिरसाम तथा सहायक कमाण्डर के रूप में उपनिरीक्षक श्री संजय चौहान एवं उपनिरीक्षक श्री चंचल रोमड़े दायित्व संभालेंगे।

इनके सहयोगार्थ उपुअ श्रीमती निति दण्डोत्या, उपनिरीक्षक श्री राजवीर विक्रम और उपनिरीक्षक श्री रितेश सिसौदिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। कॉन्टिजेंट में प्लाटून संख्या 144 एवं बैण्ड बल 72 का संयोजन रहेगा।

6 लाख विद्यार्थियों का क्षमता-आधारित बेसलाइन आकलन होगा आज

भोपाल (नप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 29 अक्टूबर बुधवार को प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कक्षा 9 से 12 तक के छह लाख से अधिक विद्यार्थियों का बेसलाइन आकलन (बेंचमार्क परीक्षण) किया जा रहा है। यह आकलन कोई सामान्य परीक्षा नहीं, बल्कि एक क्षमता-आधारित (कॉम्पिटेंसी बेस्ड) मूल्यांकन है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों का रटे हुए तथ्यों के आधार पर नहीं, बल्कि विषयों की मूल अवधारणाओं की समझ और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोग करने की क्षमता के आधार पर आकलन करना है। इस पूरी प्रक्रिया को एक तीसरे पक्ष (थर्ड पार्टी) द्वारा संपन्न कराया जा रहा है, जिससे मूल्यांकन की निष्पक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सकेगी। इस आकलन के लिए लोक शिक्षण संचालनालय को केन्द्र सरकार की कंपनी EdCIL India का सहयोग प्राप्त होगा। इस बेसलाइन आकलन का प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी की वर्तमान शैक्षणिक स्थिति और उनकी सीखने की कमजोरियों या अंतरालों (लर्निंग गैप) का पता लगाना है। इस आकलन से यह जानने का प्रयास होगा कि विद्यार्थी वास्तव में कितना सीख और समझ पाया है। इस आकलन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल समस्याओं की पहचान तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि आकलन के परिणामों के आधार पर विद्यार्थियों को उनकी कमजोरियों को दूर करने के लिए विशेष उपचारात्मक (रेमेडी) शिक्षण सामग्री और सहायता भी प्रदान की जाएगी। इससे शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया में सुधार होगा और हर बच्चे को उसकी जरूरत के अनुसार शैक्षणिक सहायता मिल सकेगी। लोक शिक्षण संचालनालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह आकलन हमारे लिए एक डाटा-आधारित नीति निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि हमारे शिक्षण कार्यक्रमों में कहाँ सुधार की आवश्यकता है ताकि हमारे सभी विद्यार्थी न केवल परीक्षाओं में बल्कि जीवन में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें। यह आकलन ईक्विप-लेप योजना के अंतर्गत किया जा रहा है इससे प्रदेश के शैक्षिक परिदृश्य में एक सकारात्मक बदलाव आने की संभावना है।

स्थापना दिवस के पहले 5200 करोड़ का कर्ज लेगी सरकार

- **42600 करोड़ पहुंचेगा चालू वित्त वर्ष का ऋण, प्रोजेक्ट्स-कम्युनिटी डेवलपमेंट के नाम पर लोन**

भोपाल (नप्र)। राज्य सरकार आज 5200 करोड़ का कर्ज लेने जा रही है, जिसका भुगतान 29 अक्टूबर को सरकार को होगा। भाईदूज पर प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में 250 रुपए जमा करने से चूकी मोहन सरकार अब यह कर्ज लेने जा रही है जिससे एक नवंबर को होने वाले मध्य प्रदेश स्थापना दिवस, लाड़ली बहना योजना और सरकार की परियोजनाओं के भुगतान किए जाएंगे। आज लिए जा रहे कर्ज की पहली राशि 2700 करोड़ और दूसरी 2500 करोड़ रुपए की होगी जो चालू वित्त वर्ष के बीसवें और इक्कीसवें कर्ज के रूप में होगी। सरकार द्वारा लिए जा रहे इस लोन के बाद चालू वित्त वर्ष में कुल कर्ज 42600 करोड़ का हो जाएगा। मंगलवार को लिए जा रहे कर्ज की 2700 करोड़ की पहली राशि 21 साल के लिए होगी जिसका ब्याज के रूप में भुगतान अक्टूबर 2046 तक होगा। इसी तरह दूसरा 2500 करोड़ का कर्ज 22 साल के लिए होगा जिसका भुगतान अक्टूबर 2047 तक सरकार ब्याज के रूप में करेगी। सरकार द्वारा कहा गया है कि केंद्र सरकार ने आरबीआई के माध्यम से लिए जाने वाले कर्ज की यह राशि कैपिटल एक्सपेंडिचर ऑन प्रोडक्टिव स्कीम के लिए मंजूर की है। ये स्कीम सिंचाई परियोजनाएं, सिंचाई और पावर प्रोजेक्ट्स, कम्युनिटी डेवलपमेंट्स प्रोजेक्ट्स आदि रूपों में संचालित हैं। देव उठनी एकादशी एक नवम्बर के पहले 5200 करोड़ का कर्ज सरकार ले रही है।

एक अक्टूबर को लिया था तीन हजार करोड़ का लोन

इसके पहले मोहन सरकार ने दशहरा पर्व के पहले एक अक्टूबर को तीन हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। सरकार ने 30 सितम्बर को इसके लिए ऑक्सन किया था जो सितम्बर माह में लिया गया तीसरा कर्ज था। इसके पूर्व 9 सितम्बर को चार हजार करोड़ रुपए के तीन कर्ज लिए गए थे जबकि 23 सितम्बर को 1500-1500 करोड़ रुपए के दो कर्ज लिए गए। मंगलवार को लिए जा रहे कर्ज के बाद एमपी सरकार पर मौजूदा कर्ज 464340 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस : अभ्युदय का उत्सव

गौरवशाली अतीत के नायक सम्राट विक्रमादित्य को समर्पित

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन

भोपाल (नप्र)। अतुल्य भारत का हृदय प्रदेश 'मध्यप्रदेश' अपना 70वाँ स्थापना दिवस 'अभ्युदय मध्यप्रदेश' के रूप में मनाने जा रहा है। यह भव्य समारोह 1 से 3 नवंबर, 2025 तक भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित होगा। 'विरासत से विकास' की यात्रा को दर्शाने वाला यह आयोजन 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष' की थीम पर आधारित है। इस तीन दिवसीय समारोह का मुख्य आकर्षण होगा महानाट्य 'सम्राट विक्रमादित्य'। इसके साथ ही सुप्रसिद्ध गायकों की सुगम संगीत प्रस्तुतियाँ, प्रदर्शनियाँ, शिल्प मेला और व्यंजन मेले जैसी गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएँगी। यह समारोह केवल सांस्कृतिक रंगों से ही नहीं सजेगा, बल्कि महानाट्य 'सम्राट विक्रमादित्य' के मंचन से नागरिकों को यह जानने का अवसर मिलेगा कि मध्यप्रदेश का अतीत कितना गौरवशाली रहा है। सम्राट विक्रमादित्य, जिनके राज्य की पहचान जनकल्याण, सुशासन और शौर्य थी, वे हमारे लिए आज भी प्रेरणास्रोत हैं। विकसित राज्य और राष्ट्र की अवधारणा की प्रेरणा हमें ऐसे ही अतीत के महानायकों से मिली है।

महानाट्य का भव्य मंचन- सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और उनके महान योगदान से जनता को परिचित कराने के लिए यह महानाट्य 2 और 3 नवंबर, 2025 को सायं 6:30 बजे से लाल परेड मैदान भोपाल में दो दिनों तक मंचित किया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रदेश के वैभवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुँचाना है।

- **सम्राट विक्रमादित्य का वैश्विक सम्मान-** विक्रमादित्य भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय सम्राट नायक माने जाते हैं। उनकी वीरता, देश को पराधीनता से मुक्त करने की उत्कृष्ट अभिलाषा, राजनीतिक उपलब्धियाँ, न्याय की अनोखी पद्धति और कला-साहित्य को दिए गए उदार संरक्षण ने उन्हें केवल भारत में ही नहीं बल्कि सुदूर देशों में भी प्रतिष्ठित किया है।
- **विक्रम संवत काल गणना का सर्वश्रेष्ठ आधार-** विक्रमादित्य ने शकों और यवनों के आतंक से भारत को मुक्त कराया था। उन्होंने 96 शक सामंतों को पराजित कर उन्हें देश छोड़ने पर विवश किया जिसके बाद उन्हें 'शकारि' और 'साहसांक' जैसी उपाधियाँ मिलीं। आज 2082 वर्ष पूर्व उनके द्वारा प्रारंभ किया गया 'विक्रम संवत' न केवल भारत में बल्कि दुनिया में भी काल गणना का सर्वश्रेष्ठ आधार है।
- **ज्ञान और कला का प्रतीक दरबार-** 'बेताल पच्चीसी' और 'सिंहासन बत्तीसी' में उनके अद्भुत न्याय, वीरता और महानता की कथाएँ प्रचलित हैं। उनके दरबार में कालिदास, वराहमिहिर, धन्वंतरि जैसे नवरत्न थे, जो जनकल्याणकारी कार्यों में संलग्न रहते थे। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत प्राचीन काल से ही विज्ञान, खगोल शास्त्र, ज्योतिष और साहित्य-कला के क्षेत्रों में कितना समृद्ध और सशक्त रहा है।
- **प्रधानमंत्री द्वारा प्रशंसित महानाट्य-** इस महानाट्य की प्रस्तुति को दिल्ली के लाल किला, हैदराबाद, आगरा सहित देश के अनेक प्रमुख शहरों में भरपूर सराहना मिली है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी स्वयं इस महानाट्य की प्रशंसा कर चुके हैं। अब यह भोपाल के ऐतिहासिक लाल परेड ग्राउंड में मंचित होने जा रहा है।

मिसरोद थाना क्षेत्र में एक साथ पांच फ्लैटों में चोरी

सीसीटीवी में 3-4 संदिग्ध युवक कैद, सोने-चांदी के जेवर और नकदी गायब

भोपाल (नप्र)। राजधानी के मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित पेसिफिक ब्लू रहवासी सोसायटी में शनिवार की रात चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोर दीवार के तार काटकर कॉलोनी में दाखिल हुए और एक ही रात में तीन ब्लॉकों के पांच फ्लैटों के ताले तोड़ दिए। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है, जिसमें 3 से 4 संदिग्ध युवक चोरी करते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस का कहना है कि फुटेज में दिखाई दे रहे संदिग्ध युवकों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। संभावना है कि चोरों ने पहले रैकी कर यह वारदात की हो।

फरियादी राकेश कटारे (45 वर्ष), निवासी इंडस टाउन फेस-3, मिसरोद ने पुलिस को बताया कि वे सोसायटी में मेंटेनेंस का काम करते हैं। शनिवार को सोसायटी के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने उन्हें फोन कर जानकारी दी कि कॉलोनी की रेलवे पटरी की तरफ की दीवार के तार कटे हुए हैं और कैमरे चेक करने को कहा। जब उन्होंने सीसीटीवी फुटेज देखे, तो उसमें 3-4 अज्ञात युवक रात करीब 2:10 बजे कॉलोनी में घुसते नजर आए।

जब राकेश कटारे अन्य रहवासियों के साथ मौके पर पहुंचे, तो पाया कि ब्लॉक बी-02, बी-03 और सी-3 के फ्लैटों के ताले टूटे हुए थे और अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था।

चोरी की घटना इन फ्लैटों में हुई

- बी-02 ब्लॉक का फ्लैट नंबर 103 (अरविंद कुमार गुप्ता) ● बी-03 ब्लॉक का फ्लैट नंबर 104 (विकास खरे) ● सी-3 ब्लॉक के फ्लैट नंबर 201 (नीरज मीना), 202 (अनुमेहा जैन) और 303 (राघवेंद्र पांडे) शामिल हैं।
- **दिवाली के लिए बाहर गए थे लोग-** अरविंद गुप्ता और विकास खरे ने बताया कि वे त्योहार के चलते गांव गए हुए हैं और घर की अलमारी में पुराने इस्तेमाल के सोने-चांदी के जेवर और नकदी रखे थे, जो अब गायब हैं। जबकि अन्य तीन फ्लैटों में केवल सामान अस्त-व्यस्त मिला, लेकिन कोई कीमती चीज नहीं चोरी हुई। फरियादी के मुताबिक सभी फ्लैटों के निवासी दीपावली के कारण बाहर गए थे, जिससे चोरों ने मौके का फायदा उठाया। चोरी की सटीक कीमत अभी निर्धारित नहीं हो पाई है। मिसरोद पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

संपादकीय

सवालों के बावजूद एसआईआर..

चुनाव आयोग ने विपक्षी राजनीतिक दलों के भारी विरोध की परवाह किए बगैर देश भर में मतदाता सूचियों में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पूरे देश में कराने की दिशा में कदम आगे बढ़ा दिए हैं। हालांकि बिहार विधानसभा चुनाव से यह लग रहा है कि जिस तरह राहुल गांधी ने चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के पहले जिस दमदार तरीके से एसआईआर को वोट चोरी बताकर इस मुद्दे को उठाया था, वो चुनाव के शबाब पर आते-आते अपनी चमक खो चुका है। इसका सीधा मतलब है कि एसआईआर के संदर्भ में चुनाव आयोग की मंशा को लेकर कितनी भी शंकाएं हों, इसे चुनावी मुद्दा बनाना मुश्किल है। बावजूद इसके अगले साल जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां की सत्तारूढ़ पार्टियों ने एसआईआर को लेकर मोर्चाबंदी शुरू कर दी है। सबसे ज्यादा विरोध तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ दल डीएमके और टीएमसी द्वारा किया जा रहा है। दोनों दलों ने इसे लोकतंत्र के खिलाफ साजिश करार दिया है। डीएमके ने तो 2 नवंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाने का ऐलान किया है, जबकि टीएमसी ने चुनाव आयोग को 'अत्यधिक समझौतावादी' बताते हुए इसके खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है। सीपीएम ने भी इसे मनमाना कदम ठहराया है। इन सभी दलों को शक है कि चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर अभियान के तहत मतदाता सूची से अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जातियों और महिलाओं के नाम काट दिए हैं। हालांकि आयोग का कहना है कि जो नाम काटे गए हैं, वो ज्यादातर फर्जी हैं। और फर्जी नाम काटने के लिए ही एसआईआर अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है। इसका पहला चरण बिहार में पूरा हुआ और दूसरे चरण में आयोग मप्र सहित 12 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में इसे क्रियान्वित करने जा रहा है। गौरतलब है कि आयोग ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसआईआर के दूसरे चरण की घोषणा की। जिसके मुताबिक यह अभियान अब अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। यह अभियान करीब 51 करोड़ मतदाताओं को कवर करेगा, जिसमें डुप्लीकेट, मृत और अवैध नामों को हटाने का लक्ष्य है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि यह प्रक्रिया लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए जरूरी है, लेकिन विपक्ष इसे 'वोट चोरी की साजिश' बता रहा है। इसके पहले विपक्ष ने इस अभियान के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रूख भी किया था। लेकिन उसे वहां से खास मदद नहीं मिली। इस अभियान में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हैं, इसका भी विपक्ष ठोस प्रमाण नहीं दे सका। परिणामस्वरूप सुप्रीम कोर्ट ने कुछ हिदायतों के साथ इसे जारी रहने दिया। मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण होना चाहिए, इसमें दो राय नहीं है। यह काम पहले भी होता है। आखिरी बार 2003 में यह काम हुआ था, जिसे अब 22 साल बीत चुके हैं। इसमें शक नहीं कि फर्जी मतदाताओं के नाम जुड़वाने में कोई दल दूध का धुला नहीं है। ऐसे में मतदाता सूचियों की सफाई का विरोध खास मायने नहीं रखता। लेकिन सवाल नीयत का है। विपक्षी दलों को लगता है कि आयोग संशोधन की आड़ में उसके वोट बैंक को बाहर करना चाहता है। आयोग ने बाद में लोगों को नाम जुड़वाने का अवसर दिया था, उसमें बहुत ही कम लोग सामने आए। विपक्ष को लगता है कि एसआईआर के नाम पर बिहार में 69 लाख वोट काटे गए और अब 12 राज्यों में करोड़ों वोट काटे जाएंगे। वैसे एसआईआर के लिए राज्यों के चयन का आयोग का आधार भी असंदिग्ध नहीं है। असम जहां, अगले साल विस चुनाव होने हैं, एसआईआर से बाहर है, जबकि मप्र जैसे राज्य को शामिल किया गया है, जहां चुनाव में अभी काफी वक्त है।

नजरिया

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बिहार में दिखेगा वैकल्पिक राजनीति का नया दर्शन?

'जन सुराज पार्टी ' जैसे किसी नवगठित दल द्वारा अपने पहले ही चुनाव में राज्य की सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। और इससे भी बड़ी बात यह है कि इस पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवार शिक्षित,बुद्धिजीवी,पूर्व नौकर शाह,पूर्व आई ए एस, आई पी एस, वैज्ञानिक,गणितज्ञ तथा शिक्षाविद् हैं जबकि चुनाव मैदान में कूदे अन्य पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों की शिक्षा, उनके आचरण, चरित्र व योग्यता के विषय में कुछ अधिक बताने की ज़रुरत ही नहीं। बहरहाल, इस नये नवेले राजनैतिक दल 'जन सुराज पार्टी ' के संस्थापक व अकेले रणनीतिकार व स्टार प्रचारक वही प्रशांत किशोर हैं जो नरेंद्र मोदी व भाजपा से लेकर देश के अधिकांश राजनैतिक दलों व नेताओं के लिये एक पेशेवर के रूप में चुनावी रणनीति तैयार करने के बारे में जाने जाते हैं।

पूरे देश की निगाहें इस समय बिहार विधान सभा के होने जा रहे आम चुनावों पर लगी हुई हैं। इन चुनावों में जहां देश व राज्य के अनेक पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनैतिक दल चुनाव मैदान में सत्ता अथवा विपक्ष के किसी न किसी गठबंधन के साथ मिलकर बिहार का 'भाग्य बदलने' के नाम पर खुद अपना भाग्य आज़मा रहे हैं वहीं इस बार के चुनाव में पहली बार 'जन सुराज पार्टी' नामक एक नया राजनैतिक दल भी बिहार की राजनीति में अपनी ज़ोरदार उपस्थिति दर्ज करा रहा है। 'जन सुराज पार्टी' जैसे किसी नवगठित दल द्वारा अपने पहले ही चुनाव में राज्य की सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। और इससे भी बड़ी बात यह है कि इस पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवार शिक्षित,बुद्धिजीवी,पूर्व नौकर शाह, पूर्व आई ए एस,आई पी एस,वैज्ञानिक,गणितज्ञ तथा शिक्षाविद् हैं जबकि चुनाव मैदान में कूदे अन्य पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों की शिक्षा,उनके आचरण, चरित्र व योग्यता के विषय में कुछ अधिक बताने की ज़रुरत ही नहीं।

बहरहाल, इस नये नवेले राजनैतिक दल 'जन सुराज पार्टी' के संस्थापक व अकेले रणनीतिकार व स्टार प्रचारक वही प्रशांत किशोर हैं जो नरेंद्र मोदी व भाजपा से लेकर देश के अधिकांश राजनैतिक दलों व नेताओं के लिये एक पेशेवर के रूप में चुनावी रणनीति तैयार करने के बारे में जाने जाते हैं। पूर्व में वे संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में आठ वर्षों तक कार्य कर चुके हैं। देश के विभिन्न राजनैतिक दलों को अपनी रणनीति का लोहा मनवाने के बाद मूल रूप से बिहार के ही रहने वाले प्रशांत किशोर ने अपनी योग्यता का प्रयोग सर्वप्रथम अपने ही राज्य के विकास के लिये करने का निर्णय लिया और 2022 में बिहार की जनता को जागरूक करने व उन्हें उनकी व पूरे राज्य की बदहाली के मूल कारणों से अवगत कराने के मक़सद से बिहार में 'जन सुराज अभियान' चलने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद ही उन्होंने राज्य में लगभग 3,000 किलोमीटर की पदयात्रा भी की। इस पदयात्रा के दौरान उन्होंने राज्य की आम जनता से सीधा संवाद स्थापित किया। इसी 'जन सुराज अभियान' से ही उनके नये राजनैतिक दल का नाम 'जन सुराज पार्टी' निकला।

देश के बड़े से बड़े राजनैतिक दिग्गजों के लिये रणनीति तैयार करने वाले प्रशांत किशोर स्वयं अपने लिये कैसी सफल रणनीति बना रहे हैं उसी का परिणाम है कि उन्हें न केवल 'गोदी मीडिया' भी पूरी तवज्जोह दे रहा है बल्कि वे सत्ता व विपक्षी महागठबंधन के दाग़दार नेताओं पूर्व की उनकी असफल नीतियों यहाँ तक कि राज्य की बदहाली तक के लिये इसी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन व महागठबंधन के दलों को ज़िम्मेदार ठहरा रहे हैं। राज्य

के विकास के लिये प्रशांत किशोर मुफ़्त की रेवड़ियों या शराब बंदी जैसी नीतियों को नहीं बल्कि केवल शिक्षा को ही पहली ज़रुरत मान रहे हैं। राज्य की सभी 243 सीटों के लिये अपने पहले चुनाव में योग्य व शिक्षित प्रत्याशी उतारना बल्कि कई सीटों पर तो अनेक योग्य उम्मीदवारों द्वारा चुनाव लड़ने के लिये एक साथ दावा पेश किया जाना भी प्रशांत किशोर की चुनावी रणनीति की बड़ी सफलता है।

वे सोशल मीडिया पर भी अन्य राजनैतिक दलों से अधिक छाये हुये हैं। उन्होंने विभिन्न टीवी चैनल्स व यू ट्यूबर्स को अब तक जितने साक्षात्कार दे डाले हैं उतने तो शायद सत्ता व विपक्ष के नेताओं ने भी अब तक नहीं दिये। वे अपने साक्षात्कार में अपने विरोधी दलों के अनेक नेताओं को बेनक़ाब कर उनकी आपराधिक व शैक्षिक पृष्ठभूमि को उजागर कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर बड़े ही स्पष्ट अंदाज़ में बिहार की बदहाली व पिछड़ेपन के लिये जहाँ पूर्व की सत्ता व नेताओं को ज़िम्मेदार ठहरा रहे हैं वहीं राज्य के उन मतदाताओं को भी आइना दिखा रहे हैं जो मुफ़्त के राशन अथवा धर्म जाति के नाम पर वोट कर भ्रष्ट व अयोग्य उम्मीदवारों का चुनाव करती रही है।

राजनैतिक विश्लेषक हालांकि बिहार के चुनावी रण में 'जन सुराज पार्टी' के उतरने को लेकर तरह तरह के क़यास लगा रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि 'जन सुराज पार्टी' भी असदुद्दीन ओवैसी की ए आई एम आई एम की ही तरह राज्य में वोट काटने वाली पार्टी साबित होगी और इसका लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा। जबकि कुछ का मानना है कि केवल एन डी ए ही नहीं बल्कि जन सुराज पार्टी विपक्षी महागठबंधन को भी नुक़सान पहुंचाएगी। उधर प्रशांत किशोर अपना सीधा मुक़ाबला सत्ता रूढ़ एन डी ए से ही बता रहे हैं परन्तु साथ ही उनका यह भी कहना है कि चुनाव परिणाम ही फ़ैसला करेंगे कि उनकी पार्टी अर्श पर होगी या फ़र्श पर। जबकि राजनैतिक विश्लेषकों का एक वर्ग ऐसा भी है जो 'जन सुराज पार्टी' की तुलना आम आदमी पार्टी से करते हुये इसके वर्तमान तेवर के साथ ही संभावित भविष्य को भी देख रहा है।

जो भी हो मगर अपनी योग्यता का लोहा मनवाने के बाद अपने कुशल रणनीतिकार के पेशे को त्यागकर अपनी ही कमाई गयी पूँजी को दांव पर लगाकर बिहार व बिहार वासियों के भविष्य की चिंता में राज्य की गली गली में धूल मिट्टी व कीचड़ में घूमकर राज्य की खुशहाली की बातें करना वह भी बिना किसी धर्म जाति व समुदाय की बात किये हुये तथा बिना मुफ़्त की रेवड़ी की लालच दिये, अपने आप में ही बड़ी बात है। वह भी उस बिहार राज्य में जोकि ग़रीबी के साथ साथ अपनी जातिवादी राजनीति के लिये भी प्रसिद्ध हो? इसमें कोई शक नहीं कि देश को शिक्षित, ज्ञानवान,राष्ट्र हितकारी,धर्म व सम्प्रदाय व जाति से ऊपर उठकर सोचने वाले तथा स्वच्छ छवि रखने वाले नेताओं की ज़रुरत है। आज यदि कोई अनपढ़,अज्ञानी व साम्प्रदायिकतावादी व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बन जाये कोई अपराधी व्यक्ति देश का गृह मंत्री या मुख्य मंत्री बन जाये अशिक्षित व्यक्ति शिक्षा मंत्री बन जाये कोई लुच्चा,लफ़ंगा,बलात्कारी,गैंगस्टर हमारा जन प्रतिनिधि बन जाये तो इससे बढ़कर शर्मिन्दिगी व वैश्विक स्तर पर बदनामी की बात हमारे देश के लिये और क्या हो सकती है ?

यदि भारतीय राजनीति का वातविक चेहरा इतना भयावह व दाग़दार न होता तो केंद्रीय विद्युत व ऊर्जा मंत्री आरके सिंह को पिछले दिनों अपनी ही पार्टी भाजपा के प्रत्याशी व बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व मोकामा से जेडीयू की ओर से एनडीए उम्मीदवार व बाहुबली नेता अनंत सिंह का नाम लेते हुये राज्य की जनता के नाम यह वीडिओ संदेश जारी न करना पड़ता जिसमें उन्होंने दीवाली की शुभकामनाएं देते हुए मतदाताओं से अपील की थी कि- 'अपराधी या भ्रष्टाचार के आरोपी सम्राट चौधरी व अनंत सिंह जैसे उम्मीदवारों को वोट न दें, भले ही वे किसी की जाति के हों।' उन्होंने इसी संदेश में यह सुझाव भी दिया कि यदि सभी उम्मीदवार ऐसे हैं,नोटा दबाएं। आर.के. सिंह ने यहां तक कहा कि ऐसे उम्मीदवार को वोट देने का अर्थ है 'चुल्लू भर पानी में डूब मरना'। इसीलिये रसातल में जा रही राजनीति के वर्तमान दौर में यह सोचना पड़ रहा है कि जन सुराज पार्टी क्या वैकल्पिक राजनीति का नया 'दर्शन' साबित हो सकेगा?

मुद्दा

ऋतुपर्ण दवे

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

अब पराली बनी सियासत वाली

ठण्ड की दस्तक के साथ ही, धान की कटाई और पराली जलाई के बीच आई दिवाली पर खतरनाक स्तर तक पहुंचे प्रदूषण के लिए फिर पराली को ही जिम्मेदार ठहराने में पंजाब और दिल्ली की राज्य सरकारें इस बार आमने-सामने रहीं। यह सच है कि पराली के चलते दोनों राज्यों के अलावा भी कई राज्य इसका प्रदूषण भुगत रहे हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि पंजाब-दिल्ली की सरकारें बजाए सुलह के एक दूसरे को दोषी ठहरा, प्रदूषण से कैसे निपटेंगी? आसमान से निगरानी और लाइव तस्वीरों के इस दौर में भी सच सामने होने के बावजूद राजनीतिक बयानबाजी बेहद हैरानगी भरी है। सच है कि प्रदूषण की दमघोटू हवा इसके प्रभाव में आने वाले हर किसी को तकलीफ देती है। यह भी सही है कि कोरोना के बाद बहुतेरे लोगों में प्रदूषण को बरदास्त करने की क्षमता भी घटी है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सरकारें बयानों से बचाव करें। हालाकि इस बार दिल्ली में क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश की बात की जा रही है जो यह लिखे जाने तक दिखी नहीं। फिर भी देखना होगा यह तकनीक कितनी कामियाब होती है। लेकिन प्रदूषण को लेकर यह स्थाई विकल्प हो पाए, ऐसा लगता नहीं है।

इधर सुप्रीम कोर्ट ने भी बीते बरस, दिल्ली में बढ़े वायु प्रदूषण पर केंद्र को कड़ी फटकार लगाई तो पंजाब और हरियाणा सरकारों को भी चेताया। बावजूद इसके तो काबू पाया जा सका न ही कोई विकल्प खोजा गया। अदालत में तब पेश जवाब पर ही सवाल खड़े होना लाजिमी थे जो हुए। फिलाहाल दिल्ली में दिवाली के फौरन बाद प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक पहुंचना बेहद चिंताजनक है। 301 से ऊपर का वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एयर क्वालिटी इण्डेक्स(एएक्यूआई) इमरजेंसी स्थिति मानी जाती है। दिल्ली में 27 अक्टूबर तक प्रदूषण के स्तर में सुधार जरूर हुआ है, लेकिन धान कटाई और पराली जलाने की घटनाओं में भी पंजाब व आसपास तेजी से स्तर कब कहां पहुंच जाए कहना मुश्किल है। ध्यान देने वाली बात यह है कि न केवल एनसीआर बल्कि दूसरे क्षेत्रों में प्रदूषण बढ़ा हुआ है। पंजाब भी बुरी तरह से इसकी गिरफ्त में है। लेकिन यह सच है कि दिल्ली के मुकाबले वहां प्रदूषण अभी कम है। भले अभी पंजाब को कैसे दोषी ठहराया जा सकता है क्योंकि इसी मंगलवार लुधियाना में दिवाली के ठीक पहले 271, जालंधर में 247, अमृतसर में 224, पटियाला में 206 वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज किया गया। केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड के आंकड़ों जो कि 27 अक्टूबर तक के हैं देखने से पता चलता है कि दिल्ली में प्रदूषण में गिरावट के बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक 301 पर बना हुआ है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से 1,900 प्रतिशत अधिक है। इसी दिन बहादुरगढ़ में वायु गुणवत्ता सूचकांक 381 से बढ़कर 387 हो गया है। जबकि दिल्ली सहित नौ शहरों में यह 300 के पार है। वहीं देश में शिलांग की हवा सबसे साफ रही जबकि भारत के 256 शहरों में से केवल 23 प्रतिशत में ही हवा साफ है यानी 77 प्रतिशत में हवा खराब है। गनीमत है कि बीच-बीच में बदलते मौसम से हालात इस बार पिछली बार जैसे नहीं बन पा रहे हैं।

समझना होगा कि प्रदूषण के लिए केवल भारत ही नहीं पाकिस्तान की पराली का धुंआ भी जिम्मेदार है। नासा की एक रिपोर्ट, वर्ल्डव्यू एनिमेशन, सेटेलाइट तस्वीरें, चंडीगढ़ पीजीआई और पंजाब यूनिवर्सिटी के शोध से भी साफ हो गया है कि भारतीय पंजाब के मुकाबले पाकिस्तानी पंजाब में पराली ज्यादा जलती। इस पर पड़ोसी पर भी लगाम की जरूरत है।

आखिर कैसी कोशिशें हैं कि सालों साल से यह मसला बजाए सुलझने के हर बार नए आरोपों में घिर जाता है? रही बात सरकारों की तो केन्द्र या राज्य की सरकारें किसानों को लेकर दावा कुछ भी करें लेकिन किसानों की भी तो अपनी समस्याएं हैं। संसाधनों की कमीं से जूझते छोटे-छोटे किसानों को भला ऋण कैसे मिलेगा ताकि पराली से विभिन्न उत्पाद बनाने वाली मशीनें खरीद सकें? किसानों की अपनी मजबूरी है।

खेती मौसम पर निर्भर है और एक-दो दिन का बिगड़ा मौसम महीनों की मेहनत पर पानी फेर देता है। इसी चलते किसान भी तुरंत पराली जलाने को मजबूर होते हैं। किसान अगली फसल की बुवाई की जल्दबाजी मौसम के डर के बीच हालातों से जूझता है। दूसरी फसल के लिए बहुत कम वक्त के चलते खासकर छोटे किसान असमंजस में जानते-समझते मजबूरन पराली जलाने का अपराध करते हैं।

दिल्ली में वायु प्रदूषण दशकों पुराना मुद्दा है। 1985 में भी आवाज उठी थी। जब कीर्ति नगर जैसे घने रिहायशी क्षेत्र में एक फर्टीलाइजर संयंत्र की जहरीली हवा से लोग बीमार होने लगे। तब एक वकील एम.सी. मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। हकीकत देखिए, सुनवाई के दौरान ही प्लांट से ओलियम गैस रिसी और तीस हजारी कोर्ट के एक वकील की जान चली गई। कइयों की हालत बिगड़ी। इसके बाद कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा। आबादी वाले क्षेत्र में क्लोरीन, सुपर क्लोरीन, ओलियम, फॉस्फेट जैसी जहरीले उत्पाद बनाने पर रोक लगी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने को मौलिक अधिकार बनाया।

धरातल पर देखें तो सिवाय कागजी योजना बनाने, बैठकें और आखिर में आरोप-प्रत्यारोप से ज्यादा भला अब तक क्या हासिल हुआ है? न तमाम प्रभावित राज्य सरकारें और न ही केन्द्र, पराली के दूसरे उपयोग किसानों को समझा पाया। क्लाउड सीडिंग से कृत्रिम बारिश की बातें करने वाली दिल्ली सरकार भी खतरनाक स्तर तक प्रदूषण से फौरी राहत ही दिला पाई जो कुछ देशों ने कर दिखाया। बजाए आपसी तू-तू, मैं-मैं के पराली संग्रहण, इसके व्यावसायिक उपयोगों पर पूरे साल चर्चा होती तो शायद जलाने की नौबत ही न आती। लगता नहीं कि पराली मुद्दा गंभीर जरूर है लेकिन निदान असंभव नहीं? काश, सरकारी तंत्र और हुक्मरान यह समझ पाते!

सोनम (गुप्ता नहीं) : बावफ़ा से बेवफ़ा तक

कटाक्ष

शांतिलाल जैन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

वफ़ा का तो ऐसा है जनाब कि एक अनचाहा कदम उठा और आप बावफ़ा से बेवफ़ा हुए। 2016 की नोटबंदी में दस रूपए के नोट से मशहूर हुई सोनम गुप्ता के बेवफ़ा होने की कहानी की असलियत का तो अभी तक पता नहीं चला मगर सोनम के बेवफ़ा होने की चर्चा फिर से एकबार आम हो चली है। लेह के अवाम ने मनचाहा कदम उठाना चाहा तो मुल्क के निज़ाम ने अनचाहा फील किया और 'सोनम(टू) बावफ़ा से बेवफ़ा' हो गई। दस का नोट बच गया। लिखकर मुनादी कराने की जरूरत भी ना पड़ी।

अहद आसान है पर उसकी वफ़ा मुश्किल है।
सूबे को आईन की छठी अनुसूची में जोड़ेंगे।
वादा किया था निज़ाम ने। निभाया तो नहीं
और बेवफ़ाई का इल्ज़ाम अलबत्ता सोनम के
नाम जड़ दिया। कसूर बस इतना ही कि वे
दो-तीन बरस से मुक़ाबिल थे निज़ाम के,
दाग़ देहलवी का शेर दोहरा रहे थे-
'वफ़ा करेंगे निबाहेंगे बात मानेंगे,
तुम्हें भी याद है कुछ ये कलाम किस का था।'
स्टीरियो टाईप जवाब निज़ाम का-
'क्यूँ पशेमाँ हो अगर वअदा वफ़ा हो न सका,
कहीं वादे भी निभाने के लिए होते हैं।'
वादा तो पूर्ण राज्य का दर्ज़ा देने का भी था।
'सादगी तो हमारी ज़रा देखिए
ए'तिबार आपके वादे पर कर लिया।'
अब अवाम के इस भोलेपन पर क्या ही कहें -
आदतन तुमने कर लिए वादे और
आदतन हमने ए'तिबार कर लिया।
इंतिज़ार लंबा खिंचा तो इधर सूबे का अवाम
सड़कों पर उतर आया, उधर निज़ाम की
आँखों में खून उतर आया। यूँ तो निज़ाम की
बेवफ़ाई के दर्ज़नों किस्से हवा में तैरते रहते
हैं मगर आँखों में इतनी तेज़ी से खून उतर
आए ऐसा कम ही हुआ होगा। खून जो
निज़ाम की आँखों में उतरता है वो अवाम
की छाती चीर कर बहने लगता है। चार
निर्दोष जवान सीने चाक् कर दिए गए।
वफ़ादार नायक कल तक निज़ाम की आँख
का तारा हुआ करे था, फलक से टूटा तो
सीधे जेल में लेंड कर गया। पुलिस भी तेरी,
अदालत भी तेरी, गवाह भी तू ही रहा। वफ़ा
खुद से नहीं होती ख़फ़ा अवाम पर होते
हो!!
निज़ाम के पास सतह से लेकर समंदर और
आसमां को तक को चीरने के लिए सेना
मौजूद थी। मगर उसकी सबसे मज़बूत सेना
वर्चुअल दुनियाँ में थी - ट्रोल आर्मी।
पुलिसिया कार्रवाई के सामानांतर चलते ट्रोल,
कीचड़ फैंकने, कालिख पोतने में प्राम्प्ट भी
और प्रवीण भी। बेवफ़ा का ख़िताब नवाजने
तक सीमित नहीं रही ट्रोल आर्मी।
'थ्री ईडियट्स' का प्रेरणा-नायक, शिक्षाविद,
पर्यावरण संरक्षक, देशभक्त को गद्दार,
पाकिस्तानी एजेंट जैसे कारतूस चला-चला
कर लहू-लुहान कर दिया उसने। गंगोत्रियाँ
झूठ की भी तो होती हैं जनाब। सोनम को
बेवफ़ा का ख़िताब नवाजने की मैली-धारा
आईटी सेल की गंगोत्री से निकली और
मीडिया में बह चली। 'बेवफ़ा' से 'बदनाम
हुई' तक सोनम(टू) सलाखों के पीछे है,
उसका सवाल है -
'मुझ से क्या हो सका वफ़ा के सिवा,
मुझ को मिलता भी क्या सज़ा के सिवा।'
मुनासिब जवाब किसी के पास नहीं, अपन के
पास तो बिल्कुल नहीं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

मुकेश नेमा

लेखक एमपी के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं।

घोड़े मजे करते रहें इसके लिए गधों का होना बेहद जरूरी है

है रान भी हूँ मैं थोड़ा सा। पूरी दुनिया के साथ साथ अब तक मैं भी यह मानता रहा हूँ कि पूरे हिंदुस्तान के साथ-साथ हमारे मध्यप्रदेश मे भी गधो की गिनती लगातार बढ़ रही है। ऐसे में ये खबर दिल तोड़ने जैसी है। हालाँकि ये भी मुमकिन है कि ये खबर सरासर झूठी हो और किसी दिलजले ने हमारा मनोबल गिराने के लिए फैलाई हो।

गधों का कम होना चिंता की बात। मुख्य धारा से बाहर होने का खतरा है इससे। दुनिया गधों के भरोसे है। हर तरफ गधे विचर रहे है ,ऐसे में हम गधो की गिनती मे पिछड़ जाए ये बात मेरे गले से नीचे उतरने को तैयार नही है। यदि मुमकिन हो तो एक बार गधा गणना विभाग के बजाय निर्वाचन वालो से गधे गिनवा कर देख लें,सब गधों के गधे और घोड़ों के घोड़े हो जाएगें।

गधे ऐसे तो एकाएक कम नहीं हो सकते। यदि ये खबर सच है तो यह हो सकता है वो किसी वजह से अनमने हो गए हों हमसे। हमारी ख़ातिरदारी मे कोई खोट नजर आई हो उन्हें, यदि ऐसा हुआ भी है तो इसमें हमारी क़तई गलती नहीं। यदि कुछ हुआ भी है तो वो अनजाने मे ही हुआ होगा। मुमकिन है गधों को ही कोई ग़लतफ़हमी हो गई हो,और उन्होंने नाराज होकर हमसे दूरी बना ली हो। ऐसे मे हम उनसे मनुहार ही कर सकते है ,कृपया लौट आएं और हमे अपनी उपस्थिति से गौरवान्वित करे।

हम मध्यप्रदेश वाले बेहद सीधे सादे भले भले से। मेहनतकश लोग। गधे हमेशा से आदर्श रहे हमारे। हमने उन्हें हमेशा अपने सर माथे बैठाया। उनसे सीखा, उनके नक्शे कदम पर चले। हमने कभी अपने नफ़े नुक़सान की परवाह नही की। जो भी लदा हम पर ,हम उसे बिना नाकुर किए ढोते रहे,ऐसे मे हम लोगों को गधों का ,बिना शुक्रिया अदा किए,बिना बताए ,ऐसे अचानक चले जाना सच मे अखरने वाली बात है।

पता नही इसके पहले किसी और ने गधो की गिनती कभी की या नही ,पर बिना गिने ही यह माना जा सकता है कि गधे घोड़ों से ज्यादा होते है ,इस मायने मे गधे ,गधों को ही चुनते हैं ,ये सोच कर चुनते है कि उनके अपने ही उन पर राज करेंगे । ये बात अलग है कि अपने सीधेपन की वजह से वो गधो की शकल बना कर आये घोड़ों को चुनने की गलती कर जाते है। वैसे भी चुने जाने के बाद गधे ,घोड़े हो ही जाते है।

देश के बीच मे रहने वाले हम शरीफ लोग दूसरों जितने अमीर नहीं,इसलिए हमारे हिस्से गधे आए। घोड़ों और गधों में जो अंतर है अमीरी और गरीबी भर का है ,लक्ष्मी के राजी होते ही गधा,घोड़ा हो सकता है, और दुलत्ती झाड़ने का लाईसेंस हासिल कर सकता है। लक्ष्मी पुरूष पुरातन की वधू होने से चंचला होती है,चंचला का भरोसा नहीं किया जा सकता,कब किसका दरवाजा खटखटा बैठे,कब किसके यहाँ से रवानगी डाल ले। इसलिये कब कौन घोड़ा कब गधा हो जाये,इसके बारे मे भी कुछ कहना नामुमकिन सा ही है।

कामयाब लोग बाप को गधे जितनी ही इज्जत देते है। चूंकि गधा जो होता है बाप जितना ही मेहनती और मददगार होता है, बेटा कितना भी जाहिल या दो कौड़ी कीमत का हो,उसका कैरियर बनाने में मदद करना बाप का फर्ज होता है,चूंकि इस मामले में गधों का कोई जवाब नहीं,ये हमेशा सबके काम आने के लिए मुस्तैद बने रहते है इसलिये जिसे काम हो और अपने निजी बाप से काम ना चल रहा हो वो मौके पर गधे को बाप बना लेते है।

गधों के कारण साहित्य भी अमीर हुआ। कृश्न चंदर तो गधों से इतने प्रभावित थे कि खुद गधा न होने के बावजूद उन्होंने एक गधे की आत्मकथा भी लिखी। पंचतंत्र में विष्णुशर्मा के उस गधे को कौन भूल सकता है जो एक सियार के कहने में आकर भूखे शेर की माँद मे दोबारा चला गया था और इस तरह इस बात की तस्दीक़ हुई कि गधा बेहद मिलनसार,यारबाज और खुशमिजाज किस्म का जीव होता है। जाहिर है गधों की कमी, साहित्य का भी नुक़सान है और फिर एक नुक़सान यह भी कि ऐसे भलेमानसो की कमी के चलते संयुक्त राष्ट्र संघ हमें हैप्पी इंडेक्स मे और नीचे खदेड़ सकता है।

गधों के शैदाई है हम लोग। ऐसे लोगों के लिए ,जिन्हें हर मुमकिन कोशिश के बाद भी ज़िंदगी अकेले काटना पड़ रही है, एक बेशक़ीमती सलाह है। बाक़ी बची ज़िंदगी के लिये उज्जैन को चुनिए। कार्तिक महिने में गधों का मेला लगता है उज्जैन में। जैसा की हम सभी जानते है सभी सुंदर,सुशील,समझदार, कन्याएँ मन ही मन गधे जैसे आज्ञाकारी जीवनसाथी की कामना करती है। ऐसे में असली गधों का कम होना ,आपके लिए किसी सुंदरी के हाथों अच्छे दामों पर बिक जाने का बेहतरीन मौका हो सकता है।

खैर मूल मुद्दे पर लौटे,गधों का गिनती में कम होना बेहद रंज भरी खबर है,गधे पहचान है हमारी। घोड़े मजे करते रहें इसके लिए गधों का होना बेहद जरूरी है। जाहिर है गधों की कमी मुझे चिंता में डाल रही है। परिस्थितियों को देखते हुए मेरी विनम्र अपील है आपसे,यदि पैदाइशी गधे हैं आप,गधों की गिनती कम होते देख खुद गधा बन जाने का मन हो आया हो आपका,तो आईए,हमारे मध्यप्रदेश में आपका स्वागत है।

पर्यावरण

कुमार सिद्धार्थ

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

विकास की दौड़ में खोती प्रकृति की सांसें

पिछली दो शताब्दियों में औद्योगिकीकरण और शहरीकरण की रफ्तार ने विकास के अनेक नए आयाम खोले। विज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था में आश्चर्यजनक प्रगति हुई, पर इसका एक दूसरा चेहरा भी है—धरती का निरंतर क्षरण। वैज्ञानिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 1800 से 1990 के बीच पृथ्वी की लगभग 60 प्रतिशत प्राकृतिक संपदा नष्ट हो चुकी है और जैव विविधता आधे से भी कम रह गई है। खेती की जमीन सिकुड़ती जा रही है, जंगलों का क्षेत्र घट रहा है और शहरों का फैलाव बेलगाम होता जा रहा है। जहां कभी पेड़ों की छाया और मिट्टी की गंध होती थी, वहां अब मॉल, पार्किंग स्थल, फैक्टरियां और ऊंची इमारतें हैं।

प्रकृति से बढ़ती दूरी अब केवल एक भावनात्मक या सांस्कृतिक मुद्दा नहीं रह गई, बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक माइकल रिचर्डसन का हाल ही में प्रतिष्ठित पत्रिका 'अर्थ' जर्नल में प्रकाशित अध्ययन का निष्कर्ष सीधा और सटीक है–प्रकृति से अलगाव ही पर्यावरणीय विनाश का मूल कारण बन गया है। जब इंसान प्रकृति के साथ अपने भावनात्मक संबंध को खो देता है, तो उसके संरक्षण की चिंता भी धीरे-धीरे समाप्त हो जाती है। यही वजह है कि आज पृथ्वी के संसाधन बेतहाशा गति से खत्म हो रहे हैं और उसका संतुलन डगमगा रहा है।

पिछली दो शताब्दियों में औद्योगिकीकरण और शहरीकरण की रफ्तार ने विकास के अनेक नए आयाम खोले। विज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था में आश्चर्यजनक प्रगति हुई, पर इसका एक दूसरा चेहरा भी है–धरती का निरंतर क्षरण। वैज्ञानिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 1800 से 1990 के बीच पृथ्वी की लगभग 60 प्रतिशत प्राकृतिक संपदा नष्ट हो चुकी है और जैव विविधता आधे से भी कम रह गई है। खेती की जमीन सिकुड़ती जा रही है, जंगलों का क्षेत्र घट रहा है और शहरों का फैलाव बेलगाम होता जा रहा है। जहां कभी पेड़ों की छाया और मिट्टी की गंध होती थी, वहां अब मॉल, पार्किंग स्थल, फैक्टरियां और ऊंची इमारतें हैं।

यह परिवर्तन केवल भौतिक नहीं है, बल्कि गहरे मानसिक स्तर पर भी असर डाल रहा है। रिचर्डसन ने इस स्थिति को 'मानसिक अलगाव' कहा है–यानी मनुष्य का प्रकृति से भावनात्मक रिश्ता टूट जाना। जब हम नदियों के सूखने, पहाड़ों के कटने या पेड़ों के गिरने से केवल असुविधा महसूस करते हैं, लेकिन भीतर से कोई पीड़ा नहीं होती, तब हम उस संवेदनहीनता की अवस्था में पहुंच जाते हैं जो विनाश का सबसे बड़ा कारण बनती है।

यह अलगाव सबसे स्पष्ट रूप से नई पीढ़ी में देखा जा सकता है। महानगरों में पले-बढ़े बच्चों का बचपन कंक्रीट के जंगलों में बीतता है। वे पार्कों तक तो जाते हैं, पर वहां की हरियाली भी कृत्रिम होती है–सिंथेटिक घास, फूलों की सजावट और सीमित पेड़। उन्हें असली जंगलों की नमी, मिट्टी की गंध, कीड़ों, तितलियों या पक्षियों के साथ जुड़ने का अनुभव नहीं मिल पाता। धीरे-धीरे उनका प्रकृति से रिश्ता केवल तस्वीरों, मोबाइल स्क्रीन या किताबों तक सीमित रह जाता है।

कई अंतरराष्ट्रीय शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि प्रकृति के नजदीक रहने वाले बच्चे मानसिक और शारीरिक रूप से अधिक स्वस्थ होते हैं। ब्रिटिश जर्नल ऑफ साइकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन बताता है कि जो बच्चे हरियाली वाले इलाकों में रहते हैं, वे पढ़ाई में अधिक एकाग्र होते हैं और गणित जैसे कठिन विषयों में भी बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहीं जर्नल ऑफ एन्वॉयरमेंटल साइकोलॉजी में अमेरिका और यूरोप के पांच हजार से अधिक बच्चों पर किए गए अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि जब बच्चों को प्राकृतिक वातावरण में पढ़ाया जाता है, तो उनकी एकाग्रता, संतुलन और रचनात्मकता कृत्रिम वातावरण की तुलना में कहीं अधिक होती है।

प्रकृति से दूरी केवल शिक्षा को प्रभावित नहीं करती, बल्कि हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालती है। 'साइंस रिपोर्टर्स' जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन ने दिखाया है कि हरियाली और स्वच्छ पर्यावरण के पास रहना मानसिक तनाव को घटाता है, अवसाद और चिंता को कम करता है तथा शारीरिक रोगों से रक्षा करता है। इसके विपरीत, प्रदूषण और शोर से भरे शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों में अवसाद, अनिद्रा और हृदय रोग जैसी समस्याएं अधिक देखी गई हैं।

आज मानसिक स्वास्थ्य एक वैश्विक संकट बन चुका है। तनाव, अवसाद और एकाकीपन की समस्याएं बच्चों और युवाओं तक पहुंच चुकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका एक बड़ा कारण हमारी प्रकृति से दूरी है। इंसान अब अधिक समय बंद कमरों, स्क्रीन और कृत्रिम रोशनी के बीच बिताने लगा है, जहां न मिट्टी का स्पर्श है न हवा की ताजगी। यह जीवनशैली धीरे-धीरे मनुष्य को भीतर से निर्जीव बनाती जा रही है।

यह सच है कि आधुनिक जीवन को पूरी तरह प्रकृति के अनुरूप ढालना संभव नहीं, लेकिन इसे नजरअंदाज करना और भी घातक है। रिचर्डसन और अन्य वैज्ञानिकों का सुझाव है कि शहरों में हरित क्षेत्र का दायरा कम से कम 30 प्रतिशत तक बढ़ाया जाना चाहिए। पेड़-पौधे केवल सौंदर्य के लिए नहीं, बल्कि जीवनदायिनी ऑक्सीजन, ठंडक और पारिस्थितिक संतुलन के लिए आवश्यक हैं।

माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका इस दिशा में निर्णायक हो सकती है। बच्चों को स्कूल की चारदीवारी से बाहर निकालकर खुले वातावरण, पार्कों, खेतों और पहाड़ियों तक ले जाना चाहिए। यह न केवल शिक्षा को जीवन के अनुभव से जोड़ेगा, बल्कि बच्चों को उस धरती से जोड़ने में मदद करेगा जिससे उनका अस्तित्व जुड़ा है। शिक्षा केवल परीक्षा और प्रमाणपत्र का माध्यम नहीं, बल्कि ऐसी प्रक्रिया होनी चाहिए जो जीवन के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी पैदा करे।

हमारे समाज और नीति-निर्माताओं को यह समझना होगा कि विकास केवल कांक्रीट, उपभोग और उत्पादकता से नहीं मापा जा सकता। असली विकास वही है जो मनुष्य और प्रकृति दोनों के संतुलन को बनाए रखे। यदि हम विकास की दौड़ में इस संतुलन को भुला देंगे, तो आने वाली पीढ़ियों के पास न हरियाली बचेगी, न स्वच्छ हवा, न जीवन की सहजता।

आज मानवता एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। एक ओर तेज़ी से भागता विकास है, दूसरी ओर थकी हुई, घायल धरती। यदि हमने इस मानसिक अलगाव को दूर नहीं किया, तो आने वाले समय में मानव सभ्यता का अस्तित्व ही संकट में पड़ सकता है। रिचर्डसन का अध्ययन हमें केवल चेतावनी ही नहीं देता, बल्कि रास्ता भी दिखाता है–शिक्षा, जीवनशैली और नीतियों में प्रकृति को फिर से केंद्र में लाने का रास्ता। हमें अपने बच्चों, समाज और नीति में यह भाव लौटाना होगा कि प्रकृति कोई संसाधन नहीं, बल्कि हमारी सह-जीवन संगिनी है।

यदि मनुष्य प्रकृति से पुनः जुड़ने का प्रयास करे–उसकी आवाज़ सुने, उसकी लय को समझे और उसके साथ तालमेल बैठाए–तो शायद धरती फिर से मुस्कुरा सके। क्योंकि अंततः हम जो भी हैं, जो भी बन सकते हैं, वह सब इसी प्रकृति से संभव है। उसके बिना न जीवन है, न सभ्यता।

हास्य-व्यंग्य

यशवंत गोरे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

एक ही सवाल, कैसी रही दिवाली?

वोकल फॉर लोकल के साथ सड़क किनारे बिकने वाले दिए से 'चार छल्ले' छाप चार पहिया गाड़ी खरीदने के लिए अपनी बचत को खर्च कर अपनी जेब खाली करने लगे। देश की 'डेड इकोनामी' बताने वाले को उनके 'डेड' का जमाना याद करा दिया। तेल के दिए जलाने को तेल की बर्बादी बताने वाले यह भूल गए कि इसी तेल से उनके राज में मालिश कर पहलवानी की जा रही थी।

पांच दिवसीय दीपावली त्योहार शुरू होते ही पहले दिन से ही सोशल मीडिया पर बधाइयों और शुभकामनाओं का सिलसिला शुरू हो जाता है। कुछ मित्र हर दिन अलग-अलग संदेश देकर अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं तो कुछ पहले दिन ही एक संदेश देकर अपनी औपचारिकता पूरी कर देते हैं। इस वर्ष सरकार को भी 'अच्छे दिनों' की याद आ गई। बजट में आयकर में छूट और त्यौहार के कुछ दिन पहले ही जीएसटी में कमी कर अपनी और से शुभकामनाएं दे दी। सरकारी विज्ञापनों द्वारा 'बचत उत्सव वाली दिवाली' घोषित कर दी। ऐसा माहौल हो गया कि देश में पहली बार दिवाली मनाई जा रही हो। छोटे शहरों के बाजारों से लेकर महानगरों के मॉल में भीड़ उमड़ पड़ी। वोकल फॉर लोकल के साथ सड़क किनारे बिकने वाले दिए से 'चार छल्ले' छाप चार पहिया गाड़ी खरदीने के लिए अपनी बचत को खर्च कर अपनी जेब खाली करने लगे। देश की 'डेड इकोनामी' बताने वाले को उनके 'डेड' का जमाना याद करा दिया। तेल के दिए जलाने को तेल की बर्बादी बताने वाले यह भूल गए कि इसी तेल से उनके राज में मालिश कर पहलवानी की जा रही थी।

दीपावली के बाद जो भी मिल रहा है एक ही सवाल पूछता है 'कैसी रही दिवाली ?' सोना लाखों पार होने के बाद भी ज्वेलर्स खुश है। नकली मावे की छापेमारी के बाद भी मिठाई बेचने वाले की दिवाली अच्छी ही रही। छापा मारने वाले अधिकारियों की भी तो दिवाली अच्छी होनी चाहिए।

हम एक-दूसरे से तो पूछ रहे हैं की कैसी रही दिवाली ? पर उन बच्चों के माँ-बाप से कोई नहीं पूछ रहा है जिनके बच्चों को दवा के नाम पर जहरीला कफ सिरप पिला कर अगली दिवाली मनाने के पहले ही उसे छीन लिया। 'कार्बाइड गन' से अपनी आंखों की रौशनी खोने वालों से भी तो पूछो कि उनकी कैसी रही दिवाली। उन विधवाओं से भी तो पूछो जिनके पतियों को पहलगाँव में आतंकवादियों ने गोली से उड़ा दिया था।

वक्रोक्ति

सारिका गुप्ता

लेखक साहित्यकार हैं।

किस विध रोमांस होय- शुरू होने से पहले ही फ़ना हो चुका इश्क

ये महज़ अफ़वाह है कि दुनिया से प्रेम ख़त्म हो रहा है। पूरी तरह या बुरी तरह डिज़िटल हो चुकी इस दुनिया में प्रेम की डिज़िटल बेल खूब फल फूल रही है। मगर रोमांस का मामला अलग है, डिज़िटल प्रेम में रोमांस का लगभग हर जगह अकाल ही पड़ा रहता है। इसका सबसे सम्भावित कारण जो मुझे सूझता है वो ये कि आदमी प्रेम तो अकेले कर सकता है लेकिन रोमांस के लिए दोनों ओर फुल नेटवर्क होना ज़रूरी होता है। वर्तमान परिस्थितियों में, दूर बसे दो लोग एक साथ, एक समय पर, एक ही तरह का मूड़ धारण किए हो, ये केवल पुरखों के आशीर्वाद से ही सम्भव हो सकता है।

आमतौर पर, नायक के लिए छुट्टी का दिन खाने-पीने और रोमांस के लिए होता है, ऐसा माना जाता है। जबकि नायिका छुट्टी के दिन पूरे हफ़्ते, बल्कि सातों जनम के काम निपटा लेने की जुगत में होती है, क्योंकि उसे लगता है कि इश्क मोहब्बत तो किसी भी जनम में किया जा सकता है लेकिन सांसारिक कार्यों के लिए मनुष्य योनी ही श्रेष्ठ है, बल्कि मनुष्य जन्म मिलता ही इसलिए है कि आप चौरासी लाख योनियों के पेंडिंग काम निपटा सकें।

खैर, ऐसे हालात में, दूर देस में बैठा नायक छुट्टी के दिन आँख खुलते ही नायिका का मोहक अदाओं वाला प्रोफाइल पिक देखता है और घोर रोमांटिक मूड में उसे चाय के प्याले का फ़ोटू भेजता है जिसके बाजू में चम्मच के समानान्तर गुलाब का फूल रखा होता है, साथ में सन्देश है- 'अक्टूबर की गुलाबी सुबह में, गुलाबी चाय का प्याला हमारी जानिब से आपके लिए।'

इधर, नायिका चाय पीकर पतीली, छलनी, कप बश्शी इत्यादि मांजकर रख चुकी होती है।

बिस्तर में पड़े-पड़े ही नायक अगला संदेश भेजता है - 'सुनो, आज फ़िज़ा में जो ये भीनी खुशबू है, तुम्हारी ज़ुल्फ़ खुली है शायद।'

इधर, नायिका बालों में सरसों का तेल चुपड़ कर जुड़ा बाँध चुकी है।

नायक अब बिस्तर से उठकर खिड़की पर आता है, तो देखता है मॉर्निंग वाक वाली आंटी पड़ोस के घर से कनेर के फूल चुरा रही होती हैं। मगर नायक के ख़यालों में नायिका का नज़ाकत भरा प्रोफाइल पिक है, वो उसी पर फ़ोकस करता है और लिखता है - 'अपनी नाज़ुक उँगलियों से जब तुम बगीचे में मोगरे चुनती हो, तो लगता है मेरे बिखरे बालों में हौले से उँगलियाँ फिरा रही हो।'

इधर, नायिका बगीचे के लिए बीस किलो गोबर खाद का बोरा स्कूटर पर लादकर ले आती है और सरिये नुमा खुरपी से गमलों की मिट्टी खोद-खोदकर उसमें खाद मिलाती है।

नायक अपना वायुदाब दुरुस्त करने के लिए टहलते हुए छत पर जाता है। वहाँ उसे पड़ोस की छत पर परम्परागत कबाड़ और पड़ोसी के प्रिय कुत्ते के नित्य कर्म के अनेक छोटे-छोटे स्मारक दिखाई पड़ते हैं। नायक का मन करता है कि इस मूड भंजक दृश्य के लिए वह पड़ोसी को कोई शाप दे दे, लेकिन वह फिर अनुलोम विलोम कर अपना रक्त चाप नियंत्रित करता है और नायिका को अगला संदेश भेजता है - 'भीगी ज़ुल्फें सुखाने जब छत पे आती हो तुम, तो लगता है कोई बदली बरस कर गई।'

इधर, नायिका एक एक कर चार गद्दे छत पर चढ़ा देती है कि कड़क धूप में सुखाकर डण्डे से कूट-कूट कर उनकी धूल झाड़ सके।

इस बीच, नायक के आंगन में कचरा गाड़ी का दिल दहला देने वाला संगीत थर्राने लगता है। वह कचरा गाड़ी में गीला और सूखा कचरा अलग अलग डालता है, मगर साँस रोककर अपने नथूनों में रोमांस की खुशबू बनाए रखता है। अच्छी तरह हाथ धोकर वह अगला सन्देश भेजता है - 'तेरे आने की जब ख़बर महके, तेरी खुशबू से सारा घर महके.....।'

नायिका फ्रिज से मलाई का भगोना निकालकर घी बनाने में लग जाती है, बासी मलाई की गंध से सारा घर महकने लगता है।

शौच इत्यादि से निवृत होकर नायक दीवार में लगी खिड़की से बाहर झांकता है। हमारे यहाँ आम बस्तियों में खिड़की के बाहर और भीतर की दुनिया में ज़्यादा अंतर नहीं होता, बल्कि बाहर की दुनिया खिड़की से इस कदर सटी होती है कि लगता है वो भीतर ही है और आप भीतर होकर भी बाहर। ऐसे में आदमी चाहे खिड़की से झाँके या जंगले पर लटक जाए, दिखना उसको वही है जो टाउन प्लानिंग और पड़ोसी के सौन्दर्यशास्त्र में लिखा है। बहरहाल, खिड़की से झाँकने पर नायक को सामने वाली बालकनी में तार पर लहराते हुए फटे तौलिये इत्यादि नज़र आते हैं। वह संदेश भेजता है - 'तेरा रेशमी दुपट्टा जो हवा में लहरा गया....' वगैरह वगैरह।

इधर, नायिका लोअर टीशर्ट धारण कर घर भर के परदे, चादरें, कम्बल इत्यादि मशीन लगाकर धो रही होती है।

अब पोहे खाते हुए नायक के हाथ मजाज़ का लिखा एक नारीवादी शेर लग जाता है, जो वो तुरन्त नायिका को चेंप देता है - 'तिरे माथे पे ये आँचल बहुत ही खूब है लेकिन तू इस आँचल से इक परचम बना लेती तो अच्छा था।'

नायिका पुरानी सूती मैक्सी को काटकर पोछा इत्यादि बना लेती है।

नायक का अगला पड़ाव नाई की दुकान है। नाई की दुकान पर ठाले बैठे अपनी बारी का इंतज़ार करते हुए नायक अगला संदेश भेजता है - 'सुनो, तुम्हारा मखमली हाथ थामकर मैं दूर तलक चलना चाहता हूँ।'

इधर, घी बनाने के बाद इकठ्ठा हुए बर्तनों को नायिका तार वाले कूचे से घीस घीस कर मांज रही होती है।

हजामत बनवाकर, स्नान आदि से निवृत हो नायक बालकनी में अपने वस्त्र सुखाने आता है। नायक की बालकनी कबूतरों की बीट से आच्छादित है, बहरहाल, वहाँ दो-एक कव्वे उड़ रहे हैं, किन्तु नायक की दृष्टि सिर्फ़ सौन्दर्य देखती है। वह रोमांस पथ पर अग्रसर होते हुए लिखता है - 'निश्छल हँसी हँसते हुए जब तुम परिंदों को आज़ाद करती हो तो लगता है जैसे मोहब्बत अब आज़ाद हुई।'

इधर नायिका मुँह पर कपड़ा बाँधकर चूहेदानी में पकड़ा हुआ चूहा नाले किनारे आज़ाद कर आती है।

प्रेम से लदा नायक बड़ी बेसब्री से नायिका के जवाब का इन्तज़ार करता है। हालाँकि रोमांस के लिए ढंग का माहौल तो नायक को भी नसीब नहीं है, किन्तु वह रोमांस के लिए दृढ़ संकल्पित है, लिहाज़ा वह स्पीकर पर कुछ पुराने फ़िल्मी गाने चला देता है - 'आवाज़ देकर हमें तुम बुलाओ, मोहब्बत में इतना न हमको सताओ...'

नायिका तार सप्तक में अटाले वाले को आवाज़ देकर बुलाती है 'भैया, क्या किलो लेते हो रद्दी?'

नायक के संघर्ष से अनजान, गृहस्थी की साधना में तल्लीन नायिका को कोई ख़बर नहीं है कि उसका मोबाइल घर के किस कोने में किस दशा में पड़ा है, और उस पर अब तक कितना प्रेम बरस चुका है।

नायिका की ओर से कोई जवाब न पाकर नायक कुछ आहत सा हो जाता है। उसे लगता है कि नायिका अपनी सुन्दरता के अहंकार में जान बुझकर उसकी उपेक्षा कर रही है। वह 'विद्रोही' कवि की पंक्तियाँ चुरा लाता है और नायिका के कथित मुगालते दूर करने के लिए उसकी ओर प्रक्षेपित करता है -

'मैं तुम्हें इसलिए प्यार नहीं करता कि तुम बहुत सुन्दर हो... बल्कि इसलिए प्यार करता हूँ कि तुम्हें देखकर मुझे लगता है कि क्रान्ति होगी।'

इधर नायिका का तीसरे नम्बर वाला पड़ोसी गौ सेवा करते हुए नायिका के दर तक चला आता है और वहीं पर गाय माता के समक्ष हफ़्ते भर की जमा की हुई रोटियों का भण्डारा कर देता है... फिर वहाँ क्रान्ति होती है।

क्रान्ति का आकार, प्रकार, तीव्रता एक अलग मसला है, वो फिर कभी, लेकिन नायिका की क्रान्ति के सामने पड़ोसी टिक नहीं पाता है। बहरहाल, उक्त क्रान्ति से निवृत हो जब नायिका अपने फ़ोन की सुध लेती है, तब वह देखती है कि प्रेम में लथपथ कई सारे संदेश उसकी प्रतीक्षा में अधमरे हुए जा रहे हैं। इससे पहले कि वह कोई ढंग का जवाब सोच सके, क्रान्ति के अन्तिम दौर का बिगुल बजता है और पड़ोसी की पत्नी आ धमकती है, नायिका पुनः क्रान्ति में उतर जाती है।

उधर, नायिका द्वारा मैसेज देख लिए जाने के बाद भी कोई जवाब न मिलने पर नायक को घोर निराशा होती है। इस स्थिति में जो सबसे उपयुक्त गाना उसे मिलता है उसी की पंक्तियाँ वह ज्यों की त्यों नायिका की ओर पटक देता है- 'दो बातें हो सकती है सनम तेरे इनकार की, या तू दुनिया से डरती है या कदर नहीं मेरे प्यार की।'

इधर, क्रान्ति का अन्तिम दौर समाप्त होता है, नायिका युद्ध के बाद वहाँ बचे खुचे योद्धाओं को सम्बोधित करती है, 'किसी के बाप से डरती नहीं हूँ मैं.....' इत्यादि।

सुबह से उपेक्षित फिर रहे नायक का धैर्य अब जवाब दे जाता है, वह नायिका से प्रेम वगैरह ना करने की शपथ लेता है और उससे अपना बिना जुड़ा हुआ रिश्ता तोड़ लेता है। अगला मैसेज भेजता है - 'तेरी गलियों में ना रक्खेंगे क़दम, आज के बाद...।'

यूँ नायिका की गली क़दम रखने लायक है भी नहीं, इश्क मोहब्बत वाले हालात नहीं है उसके, किन्तु यह बात नायक नहीं जानता है।

इधर, कपड़ों की धूल झाड़कर, इस जनम के शेष काम होल्ड पर रखकर नायिका कुछेक प्रेम संदेश पढ़ती है, मगर देखती है कि शुरू होने से पहले ही उसका इश्क फ़ना हो चुका है। बिना ब्रेक के हुए उक्त ब्रेकअप का दुःख वह सह जाती है, फिर तुरन्त मोबाइल चार्ज पर लगाती है और सिंक की चोक हुई नाली को खोलने हेतु घरेलू नुस्ख़े यू-ट्यूब पर खोजने लगती है।

अमृत भारत योजना अधूरी, दो साल में भी पूरा नहीं हुआ निर्माण

• बैतूल स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के लिए हो रहे परेशान

बैतूल। अमृत भारत योजना के तहत चयनित बैतूल रेलवे स्टेशन का कार्य 2 वर्ष बीत जाने के बाद भी अधूरा है। अमृत भारत योजना रेलवे की एक महत्वपूर्ण परियोजना है जिसका उद्देश्य योजना में चयनित स्टेशनों का नवीनीकरण कर यात्रियों को अति आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है किंतु यह परियोजना भी अन्य की भाती लेट लतीफी का शिकार होकर रह गई है जिसका खामिया यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। इस योजना के जानकार बताते हैं कि 6 अगस्त 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 करोड़ रुपए की लागत से बैतूल स्टेशन पुनर्विकास का शिलान्यास किया था। उद्देश्य था यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना, किन्तु दो साल बीत जाने के बाद भी न तो स्टेशन का मुख्य द्वार तैयार हो पाया है और न ही अन्य प्रमुख काम पूरे हो सके हैं। यह जरूर है कि रेलवे अधिकारी निरीक्षण कर निर्देश देते हैं, लेकिन ठेकेदार की मनमानी पर कोई अंकुश नजर नहीं आता है। यात्रियों के अनुसार स्टेशन की मौजूदा हालत बताती है कि इस गति से काम पूरा होने में चार-पांच साल और लग सकते हैं। क्योंकि मुख्य द्वार अधूरा है। लाइटिंग की व्यवस्था न होने से शाम ढलते ही अंधेरा छा जाता है।

फुटओवर ब्रिज बना बड़ी चुनौती- प्लेटफार्म-2 तक पहुंचने के लिए यात्री सामान्य रास्ते से नहीं जा पा रहे हैं। अधूरे फुटओवर ब्रिज के कारण यात्रियों को प्लेटफार्म-1 के अंदर से घुमकर जाना पड़ता है। प्लेटफार्म-1 पर बनाए जा रहे फुटओवर ब्रिज के लिए गडढे खोदे गये है। मटेरियल यहां-वहां पड़ा होने की वजह से यात्रियों को आवागमन में और बाधा उत्पन्न हो रही है। यात्रियों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा धीमी गति से स्टेशन पर काम किया जा रहा है। इससे आम लोगों को परेशानी हो रही है। निर्माण जल्द पूरा हो और लोगों को इसी सुविधा मिले, इसके लिए रेलवे अधिकारियों को इस ओर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, किन्तु अधिकारी निरीक्षण और निर्देश देकर चले जाते है।

दर्जनभर काम अभी बाकी- स्टेशन पर बाउंड्रीवाल, नाली निर्माण, पार्किंग एरिया, यात्री शेड और वेटिंग एरिया जैसे कई काम अधूरे पड़े हैं। ठेकेदार कंपनी ने दिखाने भर के लिए गड्ढे खोद दिए और फुटओवर ब्रिज के कॉलम खड़े कर दिए, ताकि काम प्रगति पर लगे, लेकिन यात्री हर दिन अव्यवस्था का शिकार हो रहे हैं। रेलवे अधिकारियों ने कई बार निरीक्षण कर ठेकेदार को चेतावनी दी कि काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बावजूद इसके हालात जस के तस हैं। यात्री सवाल उठा रहे हैं कि जब 25 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई जा चुकी है तो फिर स्टेशन का कायाकल्प समय पर क्यों नहीं हो रहा।

स्टेशन पर 25 करोड़ से यह होना है कार्य- रेलवे स्टेशन बैतूल में 25 करोड़ की लागत से कई निर्माण कार्य होना है। जिसमें सर्कुलेटिंग एरिया रोड लागत 74 लाख, जल निकासी का कार्य 22 लाख, पार्किंग एरिया 36 लाख, पाथ-वे 24 लाख, भूनिर्माण, बागवानी 13 लाख, उद्यान सजावट, मूर्तियां 11 लाख, बाउंड्रीवाल 15 लाख, प्रवेश द्वार व बरामदे 32 लाख, भित्ती चित्र, दीवाल पेटिंग 28 लाख, शौचालय, वेटिंग हॉल सुधार 1.3 करोड़, आवास 1.85 करोड़, नया बुकिंग ऑफिस 1.87 करोड़, छोटा ओवरब्रिज 12.77 करोड, साइन बोर्ड 13 लाख फर्नीचर 28 लाख, प्लेटफार्म के कवर 1.1 करोड़, बिजली काम 1.93 करोड़, दूरसंचार यात्री सुविधाएं लागत 92 लाख सहित अन्य कार्य होना है।

इनका कहना है -

चूंकि रेलवे यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर काम करना होता है, इसलिए निर्माण में देरी हो रही है। जहां तक गुणवत्ता की बात है तो लापरवाही बिल्कुल भी बर्दास्त नहीं की जायेगी। निर्माण कब तक पूरा करना है, यह तो फाइल देखकर ही बता पाऊंगा।

- अमोल गेहूंकर, पब्लिक रिलेशन ऑफिसर,

अधर में लटका सपनों का अमृत भारत स्टेशन मुलताई

यात्रियों को कब मिलेंगी अत्याधुनिक सुविधाएं

मुलताई। मध्य प्रदेश के 80 अमृत भारत स्टेशनों में शामिल पवित्र नगरी मुलताई स्टेशन का उन्नयन कार्य इस वर्ष भी निर्धारित समय सीमा में पूरा नहीं हो सकेगा। विभागीय सूत्रों के अनुसार अमृत भारत योजना के तहत चल रहे कार्य को पूर्ण होने में लगभग एक वर्ष और लग सकता है। मुलताई स्टेशन को अमृत भारत योजना में शामिल किए जाने पर स्थानीय नागरिकों में जबरदस्त उत्साह था, लेकिन अब यह उत्साह निराशा और आक्रोश में बदलता जा रहा है। स्थिति यह है कि ठेकेदार अब तक आधारभूत कार्य भी पूर्ण नहीं कर पाया है, जिसके कारण यात्रियों को सुविधाएं मिलना तो दूर, वर्तमान में उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अमृत भारत योजना के तहत मुलताई स्टेशन का नवनिर्माण एवं कायाकल्प लगभग 17 करोड़ रुपये की लागत से किया जाना है। ठेकेदार को संभावित रूप से पूरा कार्य 30 दिसंबर 2025 तक पूर्ण करना था। इसके अलावा लोडिंग प्लेटफॉर्म निर्माण के लिए भी रेलवे द्वारा अलग से बड़ी राशि स्वीकृत की गई है। हालांकि दोनों ही कार्य अभी अधर में लटके हुए हैं। कार्य की धीमी गति को देखते हुए समय सीमा समाप्त होने के एक वर्ष बाद भी कार्य पूरा हो पाएगा या नहीं, यह कहना कठिन है।

स्टेशन के दोनों मुख्य द्वार भी अधूरे

पवित्र नगरी के अनुरूप स्टेशन के दोनों मुख्य द्वार आकर्षक डिज़ाइन में बन रहे हैं, लेकिन यह कार्य भी अभी आधा-अधूरा है। मुख्य प्रवेश द्वार बोरदेही रोड की ओर प्रस्तावित है, जहां स्टेशन के प्रवेश द्वार और मुख्य गेट के बीच आकर्षक गार्डन बनाया जाना है, लेकिन अभी तक यह कार्य प्रारंभ भी नहीं हुआ है। मुख्य गेट के दोनों ओर ओवरब्रिज का निर्माण किया जाना है, जिन पर यात्रियों के लिए लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध होगी। महिलाओं के लिए अलग वातानुकूलित प्रतीक्षालय, आधुनिक एसी वेटिंग हॉल, ओवरब्रिज एवं अन्य स्टेशन विकास कार्य भी अधूरे पड़े हैं।

इनका कहना

अमृत भारत योजना के तहत अभी कई कार्य शेष हैं। ओवरब्रिज सहित सभी कार्यों को पूर्ण होने में लगभग एक वर्ष का समय लगेगा।÷

- आकाश राजपूत, रेलवे स्टेशन मास्टर, मुलताई

आजीविका दीदी कैफे का हुआ शुभारंभ, ग्रामीण महिला उद्यमिता को मिला नया आयाम

धार। मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ग्राम पिपलखेड़ा की साई कृपा समर्थ स्व-सहायता समूह की दीदी छाया पंवार द्वारा संचालित ÷आजीविका दीदी कैफे÷ का शुभारंभ जिला पंचायत परिसर धार में किया गया। कैफे का उद्घाटन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धार अभिषेक चौधरी ने किया।सहायक कलेक्टर नव किरण कौर भी मौजूद थीं।

उद्घाटन अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी, ग्रामीण महिलाएँ एवं आजीविका मिशन की टीम उपस्थित रही। ÷आजीविका दीदी कैफे÷ ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस कैफे में स्वच्छता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए स्वादिष्ट दाल पानिये, सुरन बाटी, छोले भटोरे, समोसे, कचोरी, फलहारी, अप्पे, खिचड़ी, पराठे, पकौड़े, चाय और कॉफी जैसे विविध व्यंजन उचित मूल्य पर उपलब्ध रहेंगे। साथ ही ग्राहकों की सुविधा के लिए पार्सल सेवा भी प्रदान की जाएगी।

कैफे प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक खुला रहेगा। पार्सल सुविधा हेतु इच्छुक नागरिक छाया पंवार से मोबाइल क्रमांक 8103303828 पर संपर्क कर सकते हैं।

इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक प्रमोद दुसाने ने उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कैफे ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे 'आजीविका दीदी कैफे' पर पधारकर स्थानीय व्यंजनों का आनंद लें और समूह की दीदी छाया पंवार का उत्साहवर्धन करें।

कार्यक्रम में आजीविका मिशन की जिला टीम के साथ विकासखंड स्तर से दीप्ति विरकर, विकासखंड प्रबंधक एवं सहायक विकासखंड प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। यह पहल न केवल स्वाद और सेवा का नया अनुभव देगी, बल्कि ग्रामीण महिला उद्यमिता को भी नई दिशा प्रदान करेगी।

स्ट्रेस मैनेजमेंट एवं लाइफस्टाइल पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

बैतूल। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय मैं 28 अक्टूबर को स्ट्रेस मैनेजमेंट एवं लाइफस्टाइल पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्य ने बताया कि यह कार्यशाला मुख्य रूप से छात्राओं के लिए आयोजित की गई। कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक सलाहकार एवं शिक्षाविद मानसी शुक्ला ने छात्राओं के सर्वांगीण विकास, संबंधों की जटिलताएं, आत्मघाती प्रवृत्तीयों की रोकथाम आदि विषयों पर विस्तार से अपने विचार रखें। इस अवसर पर शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय की छात्रा एवं महिला लोक सेवक उपस्थित रही।

धार के अथर्व दशोरा (पुत्र प्रियंका सुगंधी) अंतरराष्ट्रीय रैपिड शतरंज प्रतियोगिता में चमके

धार। शहर के अथर्व दशोरा (पुत्र प्रियंका सुगंधी) ने अंतरराष्ट्रीय रैपिड शतरंज प्रतियोगिता में भाग लिया था। प्रतियोगिता में भारत के पड़ोसी देशों के बड़े बड़े खिलाड़ियों ने भी भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में श्रीलंका की अनुभवी शतरंज खिलाड़ी, श्रीलंका की पहली महिला इंटरनेशनल मास्टर, वुमन चैम्पियनशिप की पांच बार विजेता रह चुकी सच्चिनी रानासिंघे को पराजित कर बेस्ट बिलों 1500 केटेगरी में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता से हो: सीईओ अक्षत जैन

जिला पंचायत सीईओ ने जनसुनवाई में सुनीं समस्याएं

बैतूल। जिला पंचायत सीईओ अक्षत जैन ने कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर किया। जनसुनवाई में कुल 141 आवेदन प्राप्त हुए। सीईओ जैन ने कहा कि जनसुनवाई शासन की एक महत्वपूर्ण व्यवस्था है, जिसके माध्यम से आम नागरिक अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखते हैं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक आवेदन का समय सीमा में समाधान किया जाए और जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों पर प्राथमिकता से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इस दौरान ग्राम आवरिया निवासी कमल मर्सकोले द्वारा किरायेदार से ट्रैक्टर वापस दिलाए जाने के आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ ने थाना प्रभारी चिचोली को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। वहीं मुलताई निवासी रामदास द्वारा अनावेदकों पर कानूनी कार्रवाई किए जाने के आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ ने मुलताई एसडीएम को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर वंदना जाट ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में बैतूल मुख्यालय के कंपनी गार्डन निवासी राहुल पाल ने अतिक्रमण हटाए जाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर जिला पंचायत सीईओ ने बैतूल तहसीलदार को

प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। इसके अलावा कंपनी गार्डन निवासी गंगा पाल ने आवेदन के माध्यम से स्वर्गवासी पति की पेंशन चालू करने और लोन माफ किए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ ने एलडीएम को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बाकुड़ सातनेर निवासी कृति गाड़गे ने आवेदन के माध्यम से निजी कॉलेज से दाखिला निरस्त कर फीस की राशि वापस दिलाए जाने की मांग की। जिस पर जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

अवैध कब्जा दिलाने के दिए निर्देश- जनसुनवाई में आमला तहसील के बोड़खी निवासी राजन कुमार गोहे ने अनावेदक द्वारा भूमि पर किए गए अवैध कब्जे की शिकायत की। प्राप्त आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने आमला तहसीलदार को प्रकरण की जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आमला तहसील के ग्राम संतुढाना चिखलार निवासी चिन्धा बाई ने अनावेदकों से अवैध कब्जा दिलाए जाने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ ने आमला तहसीलदार को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए। बैतूल मुख्यालय के शास्त्री वार्ड सदर निवासी नारायण यादव ने आवेदन के माध्यम से प्लाट पर अवैध रूप से फेंसिंग किए जाने की शिकायत की। जिस पर जिला पंचायत सीईओ ने बैतूल तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। ग्राम पिपला निवासी बीरालाल ने भूमि से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर सीईओ ने बैतूल तहसीलदार को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए।

बही में नाम सुधारने के दिए निर्देश- जनसुनवाई में आठनेर तहसील के ग्राम सावंगी निवासी रेखा ने आवेदन के माध्यम से बही में नाम सुधारे जाने की गुहार लगाई। जिस पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने आठनेर तहसीलदार को प्रकरण की जांच कर शीघ्र बही में नाम सुधारने के निर्देश दिए। इसी प्रकार आठनेर के ग्राम धामोरी निवासी राजकुमारी परते ने भूमि से नाम हटाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर जिला पंचायत सीईओ ने आठनेर तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। चिचोली तहसील के ग्राम कोढर निवासी मानकर यादव ने बैंक द्वारा खाते से की जा रही अनावश्यक कटौती की शिकायत की। प्राप्त आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ ने बैंक एलडीएम को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए।

चैंपियंस कप में पुलिस लीजेंड का दबदबा, महावीर वेदा को 6, महाकाल घोड़ाडोंगरी को 46 रन से हराया

बैतूल। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में खेले जा रहे चैंपियंस कप 2025 के पांचवे दिन सोमवार 27 अक्टूबर को रोमांचक क्रिकेट मुकाबले देखने को मिले। दिन के पहले मैच में पुलिस लीजेंड आर ए स्पोर्ट्स का सामना महावीर वेदा से हुआ। टॉस जीतकर महावीर वेदा ने पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। निर्धारित 10 ओवर के मुकाबले में पुलिस लीजेंड आर ए स्पोर्ट्स ने मनोज दहिकर की 20 गेंदों पर 46 रनों की आतिशी पारी के दम पर 123 रनों का विशाल लक्ष्य खड़ा किया। जवाब में महावीर वेदा की टीम ने शिवम के 25 गेंदों में 47 रनों की मदद से संघर्ष किया, लेकिन पूरी टीम 116 रन ही बना पाई और 6 रन से हार गई। इस मैच में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मनोज दहिकर को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

दिन का दूसरा मुकाबला पुलिस लीजेंड आर ए स्पोर्ट्स और महाकाल घोड़ाडोंगरी के बीच खेला गया। टॉस जीतकर महाकाल घोड़ाडोंगरी ने फील्डिंग का फैसला लिया। पुलिस लीजेंड आर ए स्पोर्ट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 109 रन बनाए, जिसमें रोहित प्रजापति ने 15 गेंदों पर 47 रनों की धमाकेदार पारी खेली। जवाब में महाकाल घोड़ाडोंगरी की टीम पूरी तरह बिखर गई और मात्र 63 रन पर सिमट गई। पुलिस लीजेंड आर ए स्पोर्ट्स ने यह मुकाबला 46 रनों से अपने नाम किया। आर्यन चिमटे को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन 18 गेंदों में 28 रन और 2 ओवर में 9 रन देकर 2 विकेट के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। आयोजकों के अनुसार,आज 28 अक्टूबर को पांच मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें बैतूल एकेडमी, पुष्प 11, महाकाल बोरी, जय हो आमला और यादव वॉरियर्स की टीमें आमने-सामने होंगी।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने किया कलेक्टर कार्यालय का निरीक्षण, ई-ऑफिस प्रणाली की समीक्षा

प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया कलेक्टर ने

धार। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने आज कलेक्टर कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया और विभिन्न शाखाओं में कार्य की प्रगति, दस्तावेज़ों के संधारण तथा ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्मचारियों से कार्यप्रणाली, फाइल प्रबंधन और ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर ने ई-ऑफिस प्रणाली को प्रशासनिक पारदर्शिता और त्वरित कार्य निष्पादन के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी यह सुनिश्चित करें कि सभी शासकीय कार्य अब डिजिटल माध्यम से समयबद्ध रूप से संपन्न हों। उन्होंने रिकार्ड संधारण में शुद्धता और सुव्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी विभागीय कार्य में अनावश्यक विलंब न हो। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यालय के विभिन्न अनुभागों में साफ-सफाई और अनुशासन की स्थिति भी परखी। उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों से कहा कि कार्यालय जनता के विश्वास का केंद्र है, इसलिए यहाँ आने वाले प्रत्येक नागरिक को समय पर, ससम्मान और सुगमता से सेवा मिलनी चाहिए। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों में दक्षता बढ़ाने के लिए नियमित मॉनिटरिंग, समय-सीमा पालन और फाइलों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को और गति देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकता पारदर्शी और उत्तरदायी प्रशासन देना है, जिसके लिए ई-ऑफिस प्रणाली एक प्रभावी उपकरण साबित हो रही है।कलेक्टर मिश्रा ने सभी से टीम भावना के साथ कार्य करने और आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

केंद्रीय मंत्री ने सांसद खेल महोत्सव की जानकारी दी, 30 अक्टूबर से शुरू होगी प्रतियोगिताएं

खेल शरीर को स्वस्थ भी बनाते हैं और आनंद और उल्लास से भी भरते हैं - केंद्रीय मंत्री श्री चौहान

विदिशा (निप्र)। केन्द्रीय किसान कल्याण तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज विदिशा में आयोजित पत्रकार वार्ता में 30 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ होने वाले सांसद खेल महोत्सव के संबंध में मीडिया बंधुओं को जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि शरीर को स्वस्थ बनाने में खेलों का अपना एक अलग महत्व है। खेल शरीर को स्वस्थ भी बनाते हैं और आनंद और उल्लास से भी भरते हैं। प्रधानमंत्री जी की मंशा अनुरूप सांसद खेल महोत्सव का आयोजन विदिशा संसदीय क्षेत्र में किया जा रहा है। सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 30 अक्टूबर से शुरू होगा। विदिशा के खेल स्टेडियम परिसर में खेल महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री श्री मनसुख भाई मांडविया, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और क्रिकेट खिलाड़ी व देश के गौरव श्री कपिल देव विदिशा आएंगे। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने बताया कि सांसद खेल प्रतियोगिता में ग्राम पंचायत स्तर पर भी प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा, जिसमें रस्सा कसी, कुर्सी दौड़ और चम्मच दौड़ इत्यादि खेल प्रतियोगिताएं शामिल होंगी। साथ ही संसदीय क्षेत्र स्तर पर क्रिकेट, कबड्डी, टेनिस बॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होगा। संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभा स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। जिसमें प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाली टीमों को पुरस्कृत किया जाएगा। संपूर्ण संसदीय क्षेत्र में खेलों के प्रति जागरूकता और रुझान बढ़े इसके लिए टॉर्च रैली भी निकाली जाएगी। चार खेल लोकल स्तर पर आयोजित होंगे, जिनमें विदिशा में फुटबॉल, खातेगांव में कुश्ती, इछावर में खो-खो और मंडी दीप में हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय स्तर पर किया जाएगा। पत्रकारवार्ता के दौरान शमशाबाद विधायक श्री सूर्यप्रकाश मीणा, कुरवाई विधायक श्री हरिसिंह सप्रे, विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन, बासौदा विधायक श्री हरिसिंह रघुवंशी, श्री महाराज सिंह दांगी,

37038 खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि खेलों के प्रति युवाओं की भी बढ़-चढ़कर सहभागिता देखी जा रही है। अब तक विदिशा संसदीय क्षेत्र में 37038 से अधिक खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया है, जो युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता व रुचि का प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने बताया कि संसदीय क्षेत्र की विधानसभा भोजपुर में 3327, सांची में 3422, सिलवानी में 4407, बासौदा में 2061, बुधनी में 6718, इछावर में 5599, खातेगांव में 5674 और विदिशा में 5652 खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया है।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री तोरण सिंह दांगी, श्री राकेश जादौन, श्री बाबूलाल ताम्रकार, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों के अलावा अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोड़िया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत चौबे सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहें।

राज्य स्तरीय कला महोत्सव में कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

राष्ट्र स्तरीय कला महोत्सव के लिए हुआ चयन

सीहोर (निप्र)। भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कला महोत्सव में सीहोर के कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं ने कला क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जनजातीय लोक नृत्य की प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही अब इन छात्राओं का चयन पुणे (महाराष्ट्र) में होने वाले राष्ट्रीय स्तर के कला महोत्सव के लिए हो गया है, जहां वे मध्यप्रदेश का नेतृत्व करते हुए अपने राज्य का गौरव बढ़ाएंगी। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश की अपर परियोजना संचालक समग्र शिक्षा अभियान श्रीमती मनीषा सेतिया द्वारा विजेता छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने छात्राओं के आत्मविश्वास, टीम भावना और लोककला के प्रति समर्पण की प्रशंसा की।

अवैध मदिरा के विक्रय के विरुद्ध कुल 11 प्रकरण दर्ज

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देशन में शनिवार को जिला आबकारी अधिकारी श्री सुनील भोजने के मार्गदर्शन में तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री डी.एस. चौहान के नेतृत्व मे आबकारी विभाग के दल ने अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय, संग्रहण, परिवहन की रोकथाम हेतु खेड़ीपूरा, टंकी मोहल्ला एवं ग्राम अतरसमा, कायागांव, आमासेल, अजरुद रैयत, रिछाडिया, जूनापानी, खुदिया व केवलारी मे दबिश देकर कुल 27 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब, 23 पाव देशी मदिरा प्लेन शराब एवं 620 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत कुल 11 प्रकरण दर्ज किये गए।

संक्षिप्त समाचार

अवैध अतिक्रमण पर वन विभाग की कार्रवाई, ट्रैक्टर जब्त

विदिशा (निप्र)। वनमंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव के मार्गदर्शन एवं उपवनमंडलाधिकारी सिरोंज श्री हिमांशु त्यागी के निर्देशन में जिले में अवैध अतिक्रमण रोकने हेतु सतत अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वनपरिक्षेत्र अधिकारी उत्तर लटेरी की टीम ने मुखबिर की सूचना पर बीट वीरपुर के कक्ष क्रमांक पी-441 में कार्रवाई की गई है।मौके पर एक लाल रंग का बिना नंबर का ट्रैक्टर (इंजन नंबर एस 325-5स्ट3427, चेसिस नंबर एम ई ए ए 3119 जी एन 2435116) वनभूमि पर कार्यरत पाया गया। चालक ऐफाज खान निवासी बलरामपुर को पकड़कर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अतिक्रमण स्वीकार किया। मौके से ट्रैक्टर जब्त कर वन अपराध प्रकरण क्रमांक 260/55 दर्ज किया गया। यह कार्रवाई वनपरिक्षेत्र अधिकारी विवेक चैधरी के नेतृत्व में मनोज कुमार मिश्र, जितेंद्र शर्मा, मनोहर शर्मा, कृपाराम गौड, जयभान सिंह, कुलदीप श्रीवास्तव, भानु रघुवंशी, लालाराम एवं भैयालाल द्वारा की गई।

नायब तहसीलदार श्रीमती नीरू जैन ने किया शासकीय सीनियर अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास सोहागपुर का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय सीनियर अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास सोहागपुर, नर्मदापुरम में नायब तहसीलदार श्रीमती नीरू जैन द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा छात्रावास की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। छात्रावास में वर्तमान में 50 छात्राएं निवासरत हैं, जिनमें कुछ छात्राएं अनुसूचित क्षेत्र से आती हैं। श्रीमती जैन ने छात्राओं के साथ बैठकर भोजन किया और उनकी दिनचर्या, पढ़ाई तथा आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्राओं ने बताया कि पुरानी खेल सामग्री के कारण वे खेलकूद गतिविधियों में भाग नहीं ले पा रही थीं, जबकि पढ़ाई के साथ-साथ उनकी खेलों में भी गहरी रुचि है। छात्राओं की बातों को गंभीरता से लेते हुए नायब तहसीलदार श्रीमती नीरू जैन ने उनके मानसिक एवं शारीरिक विकास को ध्यान में रखते हुए छात्रावास की छात्राओं को उनकी रुचि अनुसार नई खेल सामग्री प्रदाय की। सामग्री प्राप्त कर छात्राओं के चेहरों पर खुशी झलक उठी।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार नरवाई प्रबंधन के लिए जागरूकता अभियान

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशन में नर्मदापुरम जिले में कृषि विभाग द्वारा किसानों को नरवाई/पराली (फसल अवशेष) जलाने के दुष्प्रभावों एवं उसके वैकल्पिक वैज्ञानिक प्रबंधन के उपायों की जानकारी देने हेतु व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नरवाई जलाने की प्रक्रिया भूमि की उर्वरता को नष्ट करने के साथ-साथ पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य और जलवायु पर भी गंभीर प्रभाव डालती है। इसी कारण किसानों को पराली जलाने के बजाय उसका वैज्ञानिक प्रबंधन करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में वॉल पेंटिंग एवं दीवार लेखन के माध्यम से नरवाई ना जलाएं का संदेश प्रसारित किया जा रहा है। पंचायत भवनों, प्रमुख दीवारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जन जागरूकता स्लोगन लिखे जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक किसान इस पहल से जुड़ सकें। इसके साथ ही ग्राम कोटवारों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी के माध्यम से किसानों को नरवाई के उचित प्रबंधन की जानकारी दी जा रही है।

रक्तदानः एक नेक कार्य जो बचाता है जान और देता है कई लाभ सभी जीवन में एक बार रक्तदान अवश्य कराएं

नर्मदापुरम (निप्र)। रक्तदान एक ऐसा कार्य है जो न केवल किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचा सकता है, बल्कि रक्तदाता को भी कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। रक्तदान करने से आपके शरीर में नए रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है, रक्तचाप नियंत्रित रहता है, आयरन की मात्रा संतुलित रहती है और हृदय का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

रक्तदान के स्वास्थ्य लाभ

रक्तदान से आपके शरीर में नए रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है। रक्तदान आपके रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। रक्तदान से आपके शरीर में आयरन की मात्रा संतुलित रहती है। रक्तदान आपके हृदय के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

रक्तदान के सामाजिक लाभ

रक्तदान से आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचा सकते हैं। रक्तदान समाज में एक अच्छा संदेश देता है। रक्तदान से आप समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं।

रक्तदान के आत्मिक लाभ

रक्तदान से आप आत्म-संतुष्टि महसूस करते हैं। रक्तदान आपको एक अच्छा इंसान बनने में मदद करता है। रक्तदान से आपका आत्मविश्वास बढ़ता है।

अन्य लाभ

रक्तदान के दौरान आपको फ्री मेडिकल चेकअप मिलता है। रक्तदान से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ती है एवं रक्तदान के बाद आपको एक प्रमाण पत्र मिलता है।

सावधानी

रक्तदान करने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच अवश्य करवाएं और रक्तदान केंद्र के नियमों का पालन करें। रक्तदाता वास्तव में ईश्वर के अवतार के समान होता है।

केसला विकासखंड के ग्राम सोमलवाड़ाखुर्द एवं चादौन में सुपर सीडर एवं मल्चर मशीन का हुआ प्रदर्शन

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशन में जिले में किसानों को नरवाई (फसल अवशेष) प्रबंधन हेतु जागरूक करने का अभियान निरंतर जारी है। इसी क्रम में विकासखंड केसला के ग्राम सोमलवाड़ाखुर्द एवं चादौन में सुपर सीडर एवं मल्चर मशीन का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) इटारसी श्री नीलेश शर्मा, तहसीलदार इटारसी श्रीमती सुनीता साहनी, सहायक कृषि यंत्री श्री सी.एस. बरकड़े, उपयंत्री श्री शोभित ठवरे, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री सुनील उइके, तथा कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती भाग्यश्री चौधरी उपस्थित रहे।

इसके साथ ही ग्राम सोमलवाड़ाखुर्द और चादौन के अनेक कृषक – श्री आलोक वर्मा, उमाशंकर वर्मा, रमाशंकर वर्मा, अनिल चौधरी, रामकुमार महतो, राहुल महतो सहित अन्य किसान भी उपस्थित हुए। किसानों को खेत में कम्बाइन हार्वेस्टर से धान कटाई के बाद मल्चर मशीन एवं उसके बाद सुपर सीडर मशीन के उपयोग का प्रदर्शन दिखाया गया। इन मशीनों से खेत की नरवाई जलाए बिना मिट्टी में मिला दी जाती है, जिससे अगली फसल की बुवाई सीधे की जा सकती है और मृदा की उर्वरता बनी रहती है। प्रदर्शन के दौरान किसानों को बेलर मशीन के

उपयोग की जानकारी भी दी गई, जिससे खेत की नरवाई को बेल (गठ्ठों) में बदलकर स्ट्रॉ कलेक्शन सेंटरों तक सप्लाई कर अतिरिक्त आमदनी प्राप्त की जा सकती है।

इस अवसर पर एस.डी.एम. श्री नीलेश शर्मा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि नरवाई जलाने से भूमि की गुणवत्ता घटती है और पर्यावरण को हानि पहुँचती है, अतः किसान नरवाई प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों को अपनाएं। सहायक कृषि यंत्री श्री सी.एस. बरकड़े ने बताया कि सुपर सीडर, मल्चर और बेलर जैसी मशीनें शासन द्वारा 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनका लाभ किसान ऑनलाइन आवेदन कर प्राप्त कर सकते हैं। कृषकों द्वारा बताया गया कि प्रदर्शन सराहनीय है। बेलर द्वारा कराए गए कार्य से उत्साहित हैं एवं कृषक अपने क्षेत्र में बेलर द्वारा नरवाई के बंडल बनाने के लिए उत्सुक हैं।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने एवं मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा रविवार को जिला अस्पताल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा मरीजों को भोजन नहीं मिलने की शिकायत पर सीधे रसोई केंद्र पहुंचे। उन्होंने वेंडर से भोजन वितरण में आ रही समस्या का कारण जाना और सिविल सर्जन को तत्काल मरीजों को भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशों के उपरांत मरीजों को भोजन वितरण शुरू हो गया है। उन्होंने नेत्र ओटी को नवीन भवन ने शिफ्ट करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का दौरा किया और व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने सिविल सर्जन डॉ यशपाल बाल्यान तथा ड्यूटी पर उपस्थित डॉक्टरों से प्रतिदिन आने वाले मरीजों की संख्या, मरीजों के लिए बैठक व्यवस्था, मेन ओपीडी, इलाज आदि के संबंध में जानकारी लेते हुए दिशा निर्देश दिए। साथ ही मरीजों से उपचार और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने जनऔषधि केन्द्र का भी सुचारू रूप से संचालन किए जाने के निर्देश दिए ताकि नागरिकों को सस्ती दरों पर दवाएं उपलब्ध हो सके। कलेक्टर ने कहा कि आमजन को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अतः आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध करवाने में किसी भी तरह की कोई कसर न रहे। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री मनीष शर्मा, सिविल सर्जन डॉ यशपाल बाल्यान सहित चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय मंत्री ने अमरूद का पौधा लगाया

विदिशा (निप्र)। केन्द्रीय किसान कल्याण तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज विदिशा आगमन पर सांसद खेल महोत्सव के संबंध में आयोजित पत्रकारवार्ता आयोजन के पहले एक निजी होटल में अमरूद का पौधा लगाकर पौधे लगाने व पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया है इस अवसर पर शमशाबाद विधायक श्री सूर्यप्रकाश मीणा, कुरवाई विधायक श्री हरिसिंह सप्रे, विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन, बासौदा विधायक श्री हरिसिंह रघुवंशी, श्री महाराज सिंह दांगी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी पौधरोपण में सहभागिता निभाई।

स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री पटेल ने बरेली सिविल अस्पताल में नवनिर्मित द्वितीय तल पर नवीन भवन और स्वचालित लिफ्ट का किया लोकार्पण

रायसेन (निप्र)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल द्वारा आज शासकीय सिविल अस्पताल बरेली में नवनिर्मित द्वितीय तल पर नवीन भवन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि नागरिकों का स्वास्थ्य शासन की प्राथमिकता है।

नागरिकों को त्वरित और बेहतर उपचार मिले, इसके लिए लगातार स्वास्थ्य सेवाओं तथा सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिविल अस्पताल में इस अतिरिक्त भवन में 6 नए वार्ड का निर्माण किया गया है जिससे कि सिविल अस्पताल बरेली में अतिरिक्त 40 बेड मरीज के लिए उपलब्ध हो सकेंगे। इसके अतिरिक्त सिविल अस्पताल में स्वचालित लिफ्ट भी लगाई गई है जिससे कि मरीजों को एक तल से दूसरे तल जाने में काफी सुविधा होगी। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष, सीएमएचओ डॉक्टर एचएन मांडरे, एसडीम श्री संतोष मुद्गल, बीएमओ डॉ हेमंत यादव तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को दी जा रही हैं निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं

स्वास्थ्य केंद्रों में की गई 417 गर्भवती महिलाओं की जांच

सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले की गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान प्रसव पूर्व देखभाल के लिये प्रत्येक माह की 09 एवं 25 तारीख को जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर देखभाल एवं स्वास्थ्य सेवाओं का निशुल्क लाभ प्रदान किया जा रहा है, ताकि गर्भावस्था और प्रसव के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

अभियान के तहत 25 अक्टूबर को जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर 417 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें 167 गर्भवती महिलाएं हाई रिस्क पाई गईं। सीएमएचओ श्री सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना हैं। इस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को निशुल्क जाँच, दवाएं, एवं परामर्श दिया जा रहा है।

अभियान के तहत उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान एवं विशेष देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। इसके तहत प्रसव के समय जटिल अवस्था में उच्च चिकित्सा केन्द्रो में रेफर किया जाता है। गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य जाँच के लिये निशुल्क पिक अप एवं ड्राप की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

दिग्विजय को भाया महाराष्ट्र के सीएम की पत्नी का भजन

● अमृता फडणवीस का गीत सुनकर लिखा- अच्छा लगा, 4 दिन में 4.5 मिलियन से ज्यादा व्यूज

भोपाल (नप्र)। एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता की तारीफ की है। अमृता फडणवीस द्वारा गाए गए गीत कोई बोले राम-राम, कोई खुदा को शेयर करते हुए दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा-

धन्यवाद अमृता फडणवीस जी, आपके श्रीमुख से गुरु नानक जी के शब्दों पर गाए हुए शब्द सुने। बहुत अच्छा लगा।

अमृता फडणवीस अपनी लाइफ स्टाइल, मॉडलिंग प्रोजेक्ट और सिंगिंग को लेकर चर्चाओं में रहती है। उनका नया भजन कोई बोले राम राम, कोई खुदा हाल ही में टी-सीरीज के आधिकारिक यू-ट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है। इसको अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। 24 अक्टूबर को रिलीज हुए इस भजन को अब तक 45 लाख 86 हजार से ज्यादा लोग देख चुके हैं।2005 में देवेंद्र फडणवीस और अमृता की शादी हुई थी। वे पति के राजनीतिक अभियानों में भी भाग लेती है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर

पूरा हुआ छठ महापर्व

भोपाल में 52 घाटों पर सुबह से जुटे थे श्रद्धालु, 36 घंटे का निर्जला व्रत हुआ पूर्ण

भोपाल (नप्र)। चार दिन तक चली सूर्य उपासना की परंपरा मंगलवार की सुबह पूरी हो गई। कार्तिक शुक्ल सप्तमी पर आज छठ महापर्व का आखिरी दिन है। भोपाल के 52 घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को दूध, जल और प्रसाद से अर्घ्य अर्पित किया। इसी के साथ 36 घंटे का निर्जला व्रत पूर्ण हुआ।

कमला पार्क, वर्धमान पार्क (सनसेट पॉइंट), खटलापुरा घाट, प्रेमपुरा घाट, हथाईखेड़ा डैम, बरखेड़ा और घोड़ा पछाड़ डैम,नीलबढ़ बड़े गणपति तालाब पर आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। हर घाट पर छठी मैया के गीत गूंजते रहे और श्रद्धा का माहौल बना रहा। इधर, शीतलदास की बगिया में भोपाल दक्षिण पश्चिम विधायक भगवान दस सबनानी भी आए। उन्होंने लोगों को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी। भोजपुरी एकता मंच द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। नगर निगम ने घाटों पर सुरक्षा, रोशनी, पेयजल और सफाई की व्यवस्था की थी। पुलिस और प्रशासनिक टीमें भी सुबह से मौजूद रहीं। श्रद्धालुओं ने शांति और अनुशासन के साथ पूजा संपन्न की।

व्रती महिलाओं ने पारण किया

अर्घ्य के बाद व्रती महिलाओं ने पारण किया। भोजन में चावल, दाल, साग, सब्जी, पापड़, बड़ी, पकौड़ी और चटनी शामिल रही। व्रत समाप्त करने के बाद सभी ने प्रसाद ग्रहण किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

भोजपुरी एकता मंच के अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि रविवार शाम अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद श्रद्धालु पूरी रात भजन गाते रहे। सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ पूजा समाप्त हुई। इस बार भोपाल में सबसे अधिक श्रद्धालु घाटों पर पहुंचे। दीयों की रोशनी, सजावट और लोकगीतों से पूरा शहर छठ मैया की भक्ति में सराबोर रहा।

सीएम उज्जैन के विक्रम सरोवर पर छठ पूजन में हुए सम्मिलित

● सरलता, निश्चलता, क्षमता और योग्यता के बल पर बिहारियों ने बनाई पहचान : डॉ. यादव

● माता-बहनों का त्याग ही देश को 'अखंडता' और 'अनेकता में एकता' के सूत्र में पिरोता है

बिहार भारत की दिशा तय करता है, बिहार पर परमात्मा का है विशेष आशीर्वाद

भोपाल/उज्जैन (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्वांचल और पूर्वोत्तर के अद्भुत छठ महापर्व की प्रदेशवासियों को मंगलकामनाएं और बधाइयां देते हुए कहा कि छठ मैया का महापर्व वैज्ञानिक पद्धति आधारित होकर सूर्य और जल की उपासना का पर्व है। भगवान सूर्यनारायण सम्पूर्ण सृष्टि को ऊर्जा देकर सृष्टि का संचालन करते है, वही जल से ही जीवन की उत्पत्ति हुई है। छट व्रत हमें आत्म नियंत्रण, संयम और आत्मबल प्रदान करता है। अस्त और उदय होते हुए सूर्य का पूजन करने वाले इस पर्व की बात ही निराली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय स्थित विक्रम सरोवर पर मंगलवार को आयोजित छठ पूजन में शामिल होने के बाद श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की बिहार भारत की दिशा तय करता है। बिहार पर परमात्मा का विशेष आशीर्वाद है। बिहार बुद्ध और महावीर की भूमि भी है, जिन्होंने अपने ज्ञान से देश ही नहीं संपूर्ण दुनिया को दिशा प्रदान है। सबसे ज्यादा आईएएस, आईपीएस किसी राज्य से निकलते हैं तो वह बिहार है। सरलता, निश्चलता, क्षमता और योग्यता के बल पर संपूर्ण भारत में बिहारवासी अपनी पहचान बनाते है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की मध्यप्रदेश से बिहार का संबंध आदिकाल से रहा है। मध्यप्रदेश को नदियों का मायका कहा गया है। शिप्रा मैया का जल बिहार तक चंबल मैया, यमुना मैया और गंगा मैया के माध्यम से पहुंचता है। अमरकंटक से निकली सोन नदी गंगा मैया के माध्यम से बिहार पहुंचकर वहां समृद्धि फैलाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की माताओं और बहनों द्वारा देश, प्रदेश और परिवार की समृद्धि के लिए छठी मैया का व्रत रखा जाता है। माताओं और बहनों का त्याग कुटुंब और परिवार की एकता को कायम रखता है। हमारी संस्कृति मातृ शक्ति आधारित संस्कृति है, हमारे देश को 'भारत माता' माना गया है। माताएं और बहनें अपने परिवार में सभी कष्ट सहकर भी पूरे परिवार की सेवा कर मंगल की कामना करती है। माताएं और बहने सबसे बड़ी योद्धा होती है।

उज्जैन स्थित विक्रम सरोवर पर मिथिला घाट निर्माण की दी सौगात- मुख्यमंत्री डॉ. यादव विक्रम सरोवर पर छठ पूजन किया और श्रद्धालुओं से चर्चा कर छठ महापर्व की मंगलकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की विक्रम सरोवर सम्राट विक्रमादित्य के शौर्य का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रम सरोवर पर मिथिला घाट के निर्माण की घोषणा की। कार्यक्रम में विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की एकता में सभी पर्व और त्यौहार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। माता और बहनों का त्याग ही हमारे देश को 'अखंडता' और 'अनेकता में एकता'के सूत्र में पिरोता है। कुटुंब परंपरा का यह पर्व लाखों सालों से चलता आया है। छठ मैया का यह पर्व माता सीता से भी जुड़ता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना है। वही सीतामढ़ी में भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 800 करोड़ की लागत से भव्य मंदिर बनाया जा रहा है।

कटनी में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या

कटनी (नप्र)। कटनी में नकाबपोश बदमाशों ने भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी बाइक से आए और फायरिंग कर भाग गए। सीने पर गोली लगते ही भाजपा नेता लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को कॉल किया। पुलिस पहुंची और भाजपा नेता को अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

घटना कैमोर नगर में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बैंक ऑफ बड़ौदा के पास की है। जानकारी के अनुसार, भाजपा पिछड़ा वर्ग मंडल अध्यक्ष नीलेश रजक अपनी बाइक से बाजार जा रहे थे, तभी बाइक पर आए नकाबपोश बदमाशों ने हमला कर दिया। पूरी घटना पास ही लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कटनी प्रशासन से फोन पर बात कर आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए कहा है। उन्होंने सीएम डॉ. मोहन यादव से भी घटना को लेकर बात की।

भाजपा नेता नीलेश रजक की हत्या के बाद बढ़ते तनाव को देखते हुए कैमोर में जबलपुर डीआईजी अतुल सिंह के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया।

मार्ग चौड़ीकरण के लिए आगे आने वालों को पीएम आवास योजना का लाभ दिया जाएगा : सीएम

केडी गेट से निकास चौराहा मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत उज्जैन के केडी गेट से निकास चौराहा मार्ग के प्रगतिरत चौड़ीकरण कार्य का खजूरवाली मस्जिद के समीप मंगलवार को निरीक्षण किया। स्वप्रेरणा से विकास के लिए नागरिकों द्वारा मार्ग चौड़ीकरण के लिए अपने घरों के कुछ हिस्से को हटाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों द्वारा प्रस्तुत अनुपम उदाहरण पर प्रसन्नता व्यक्त कर नागरिकों का अभिनन्दन किया। उन्होंने कहा कि मार्ग चौड़ीकरण से शहर के इस पुराने बाजार को पुनः नई दिशा मिलेगी और व्यापार बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां नागरिकों से चर्चा कर उनकी कुशलक्षेम जानी और सिंहस्थ कार्यों की व्यवस्थाओं की चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह को निर्देश दिए कि शहर के विकास के लिए स्वप्रेरणा से मार्ग चौड़ीकरण के लिए मकान तोड़ने का कार्य करने वाले पात्र नागरिकों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जाए। कार्य तीव्र गति से हो और नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएं। निरीक्षण के दौरान विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री संजय अग्रवाल, श्री रवि सोलंकी आदि उपस्थित रहें।

बंदूक दिखाकर पत्नी को दिया तीन तलाक

पति गिरफ्तार, हथियार जब्त, शाहजहांनाबाद इलाके की घटना

भोपाल (नप्र)। राजधानी के शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र में तीन तलाक का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि पति ने अपनी पत्नी को डराने के लिए लाइसेंसी बंदूक दिखाते हुए तीन बार तलाक बोलकर रिश्ता खत्म कर दिया। यह घटना अशोक कॉलोनी की बताई जा रही है, जहां महिला अपने मामा के घर पर रह रही थी।

जानकारी के अनुसार, आरोपी पति दानिश, जो गूजरपुरा कोतवाली इलाके का रहने वाला है और फर्नीचर की दुकान चलाता है, रविवार देर शाम पत्नी के मामा के घर पहुंचा। उसके हाथ में लाइसेंसी बंदूक थी। महिला के मुताबिक, पति को देखते ही वह डर के मारे कमरे में जाकर बंद हो गई। इस दौरान आरोपी ने दरवाजे के बाहर खड़े होकर तीन बार तलाक-तलाक-तलाक बोल दिया।

घटना से घबराई महिला ने तत्काल शाहजहांनाबाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी दानिश को गिरफ्तार कर लिया है और उसकी बंदूक जब्त कर ली गई है। थाना प्रभारी यूपीएस चौहान ने बताया कि महिला सोमवार दोपहर थाने आई थी और उसने बताया कि उसका पति हथियार लेकर उसके घर आया और तीन तलाक दे दिया।

दामाद ने बैल के खूंटे से की ससुर की हत्या

● बालाघाट में गला दबाकर पटका, आरोपी फरार

बालाघाट (नप्र)। बालाघाट जिले के रूपझर थाना क्षेत्र के नारंगी गांव में एक दामाद ने सोमवार को अपने ससुर की हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी दामाद मौके से फरार है। आरोपी ने ससुर को पहले बैल बांधने वाले खूंटे से मारा और फिर गला दबाकर सीमेंट रोड पर पटक दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी दामाद के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गत 27 अक्टूबर की शाम संजू अपनी पत्नी को ढूंढते हुए ससुराल की ओर आ रहा था। इसी दौरान रास्ते में उसे ससुर झाडूलाल मिले। संजू ने उनसे अपनी पत्नी और सास के बारे में पूछा, लेकिन झाडूलाल ने कोई जवाब नहीं दिया। इससे नाराज होकर संजू ने एक घर के सामने गड़े बैल बांधने वाले खूंटे को उखाड़कर झाडूलाल पर हमला कर दिया।

हमले को देखकर पड़ोसी दौड़े और घायल झाडूलाल को पानी पिलाया, जिससे उनमें कुछ हरकत

ग्वालियर में सड़क के लिए खून से लिखा पत्र

रहवासियों ने सीएम से की मांग, कहा- गुढ़ा डांग वाले बाबा रोड 15 साल से खराब है

ग्वालियर (नप्र)। मध्य प्रदेश का ग्वालियर खराब सड़कों के लिए बदनाम है। कभी सड़क पर दौड़ते वाहन अचानक हुए गड्ढे में धंस जाते हैं, तो कहीं सड़क के नीचे सुरंग निकल आती है। अब एक बार फिर सड़क के लिए ग्वालियर चर्चा में है। शहर के लोगों ने आंदोलन छेड़ दिया है।

स्थानीय लोगों ने सोमवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को खून से पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि गुढ़ा डांग वाले बाबा रोड 15 साल से नहीं बना है इसे बनवा दो। आए दिन आमजन सड़क हादसों का शिकार हो रहे हैं। खून से सना पत्र स्पीड पोस्ट से सीएम डॉ. यादव को भेजा गया है।

आए दिन हो रहे हादसे के शिकार- ग्वालियर में ग्वालियर दक्षिण विधानसभा के

वार्ड-52 स्थित गुढ़ा डांग वाले बाबा सड़क मार्ग काफी जर्जर हालत में है। स्थानीय नागरिक 15 साल से इस सड़क को बनवाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। गर्मी में सड़क पर धूल उड़ती है और बारिश में यहां वाहन चलाना खतरे से खाली नहीं है। आए दिन लोग सड़क हादसों का शिकार हो रहे हैं। यही कारण है कि डांग वाले बाबा रोड के आसपास रहने वाले लोग आरपार के मूड में आ गए हैं। सड़क के लिए इन्होंने आंदोलन की राह पकड़ ली है और इसकी शुरुआत सबसे पहले सीएम को खून से लिखे पत्र के साथ हुई है।

पत्र में क्या की गई मांग - स्थानीय नागरिक चेतन मोरे ने अपने खून से पत्र लिखा है। जिसमें सबसे पहले प्रति मुख्यमंत्री महोदय मध्यप्रदेश लिखा।

20 हजार लोगों का आना जाना है इस सड़क पर- गुढ़ा के डांग वाले बाबा की यह सड़क 15 साल से ऐसे ही खराब पड़ी है। सड़क पर डामर दूर दूर तक नजर नहीं आ रहा है। किसी गांव की कच्ची सड़क नजर आती है। जिस मार्ग के लिए मुख्यमंत्री को खून से पत्र लिखा है। वह लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबी है, लेकिन उसके आसपास 20 से 25 हजार लोगों की बसाहट है। दिन दिन हजारों लोग डांग वाले बाबा रोड से गुजरते हैं और उसकी जर्जर हालत को कोसते हैं।

पार्षद से लेकर विधायक तक लगा चुके हैं गुहार- स्थानीय नागरिक चेतन मोरे ने बताया है कि यह सड़क 15 साल से इसी हालत में है। यहां के लोग वार्ड के पार्षद, नगर निगम के अफसरों, नेताओं, विधायक तक से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन आज तक सड़क नहीं बन पाई है। आखिर में लोग परेशान है और ऐसे में खून से सीएम को पत्र लिखना पड़ रहा है।आने वाले चुनाव के बहिष्कार की भी तैयारी स्थानीय लोगों ने ऐसा भी मन बना लिया है कि आने वाले स्थानीय प्रशासन (नगर निगम चुनाव), विधानसभा चुनाव व लोकसभा चुनाव में बहिष्कार करेंगे।